Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 128 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, बुधवार 06 नवम्बर 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

राग भाव से ही धन का संग्रह होता है, उसे जितना अपने पास रखोगे वह भय का कारण ही रहेगा।

Wealth is accumulated out of attachment the more you keep it with you the more it would bea source of fear.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज राज्य अलंकरण समारोह में होंगे शामिल

विभिन्न क्षेत्र की विभूतियों को राज्य अलंकरण से करेंगे सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव का समापन समारोह 6 नवम्बर को संध्या 6 बजे से उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में नवा रायपुर स्थित राज्योत्सव ग्राउण्ड में होगा। यहां उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ विभिन्न क्षेत्र की विभूतियों को छत्तीसगढ़ राज्य अंलकरण सम्मान से विभूषित करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल श्री रमेन डेका करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय एवं विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ राज्य अलंकरण समारोह में शामिल होने के लिए विमान से संध्या 5:40 बजे रायपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से राज्योत्सव मेला ग्राउण्ड के लिए प्रस्थान करेंगे। उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ राज्य अलंकरण समारोह के पश्चात रात्रि 7:45 बजे रायपुर एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2024 का भव्य आयोजन 4 से 6 नवम्बर तक नया रायपुर अटल नगर में हो रहा है। 6 नवम्बर को राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव का समापन होगा। राज्योत्सव का शुभारंभ 4 नवम्बर को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ था। राज्योत्सव के दौरान कार्यक्रम स्थल में प्रतिदिन संध्या से लेकर देर रात तक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं।

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति पुस्तिका का करेंगे विमोचन

रायपुर (विश्व परिवार)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 6 नवम्बर को राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ सरकार नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 पर आधारित पुस्तिका का विमोचन करेंगे। गौरतलब है कि 28 अक्टूबर को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित केबिनेट बैठक में छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 मंजूर की गई थी। इसमें छत्तीसगढ़ सरकार ने भारत सरकार के विजन 2047 की परिकल्पना को साकार करने तथा राज्य के औद्योगिक विकास को गति देने के उद्देश्य से कई प्रावधान किए हैं। राज्य के प्रशिक्षित व्यक्तियों को औपचारिक रोजगार में परिवर्तित करने के लिए उद्योगों हेतु प्रति व्यक्ति 15 हजार रूपए की प्रशिक्षण वृत्ति प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है। यह नीति 31 मार्च 2030 तक के लिए होगी।

अपनी विरासत को सहेजते हुए छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें : राज्यपाल रमेन डेका

विकास की सबसे बड़ी ताकत संस्कृति से मिलती है: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

राज्योत्सव के दूसरे दिन भी रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ एक युवा राज्य है और युवा अवस्था में ही इस राज्य ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन किया है। राज्योत्सव के मौके पर अपनी विरासत को सहेजने और छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लें। नागरिकगणों से यह अपील राज्योत्सव कार्यक्रम के दूसरे दिन मुख्य अतिथि राज्यपाल श्री रमेन डेका ने की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने की।

इस मौके पर अपने संबोधन में श्री डेका ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का दिन है। हमारे छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना को 24 वर्ष पूरे हो चुके हैं और यह हम सबके लिए ऐतिहासिक क्षण है। इन वर्षो में हमने एक मजबूत आधार बनाया है और अपने लक्ष्य की ओर लगातार बढ़ने का संकल्प लिया है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य निर्माण का स्वप्न देखने वाले और इसके लिए संघर्ष करने वाले पुरखों को भी नमन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा जनकल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसके लिए मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। छत्तीसगढ़ में कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। जनजातियों, महिलाओं एवं युवाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए भी निरंतर पहल की जा रही है।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले 23 वर्षों में छत्तीसगढ़ के विकास के लिए एक ठोस धरातल निर्मित हुआ है। इस दौर में राज्य की सांस्कृतिक रूप से भी एक अलग पहचान बनी है। वर्तमान में भी सांस्कृतिक समृद्धि के लिए चहुंमुखी प्रयास किये जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में प्राकृतिक संसाधन पर्याप्त हैं, चाहे वन हो, खनिज हो या मानव संसाधन हो, सभी का उचित दोहन किया जाना अभी बाकी है। संसाधनों के दोहन के साथ ही हमें इस पर भी गहन चिंतन करना होगा कि विकास का पैमाना क्या हो। विकास की सतत् प्रक्रिया में प्रकृति के साथ संतुलन बना रहे, यह भी ध्यान रखना होगा। हम सबको आज संकल्प लेना होगा कि छत्तीसगढ़ को विकास के पथ पर ले जाने के लिए मिलजुल कर प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राज्योत्सव समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जिन लोगों ने संयुक्त मध्यप्रदेश के समय छत्तीसगढ़ में जन्म लिया और बड़े हुए वे लोग तब और अब के फर्क को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। उन्हें याद होगा कि किस तरह छत्तीसगढ़ में बार-बार अकाल पड़ता था। किसानों को रोजी-रोटी के लिए पलायन करना पड़ता था। सौभाग्य से जब अटल जी प्रधानमंत्री बने तो छत्तीसगढ़ की पीड़ा को समझा और अलग राज्य का निर्माण किया। 24 साल पूरे हो गये हैं। छत्तीसगढ़ विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने कार्यक्रम में लोक कलाकारों को अधिकतम जगह दी है। इसके साथ ही छालीवुड और बालीवुड के कलाकारों को भी जगह दी है। मैं सभी कलाकारों का अभिनंदन करता हूँ। हमारी कला हमारे विचारों को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। छत्तीसगढ़ में लोक गायन, लोक कला एवं सभी विधाओं को हमारी सरकार प्रोत्साहित कर रही है। शिल्प ग्राम स्थापित किये गये हैं। हम अपने तीज त्योहारों, देव स्थलों, मड़ई मेलों को भी सहेज रहे हैं। विकास के लिए सबसे बड़ी ताकत संस्कृति से ही मिलती है। संस्कृति हमें बताती है कि विकास की दिशा क्या होनी चाहिए।

मांदर बजाते हुए कलाकारों के साथ थिरके मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राज्योत्सव की द्वितीय संध्या को जनसंपर्क विभाग की छायाचित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर वहां मौजूद कलाकारों के पास पहुंचे और मांदर बजाकर अपनी प्रसन्नता का इजहार किया। मुख्यमंत्री साय कलाकारों के साथ मांदर की थाप पर थिरकते हुए आज अलग अंदाज में नजर आए। मुख्यमंत्री का छत्तीसगढ़ी कला-संस्कृति से जुड़ाव और उनके सहज-सरल व्यवहार को देखकर लोग उनके मुरीद हो गए और तालियां बजाकर अपनी खुशी का इजहार किया। मुख्यमंत्री को इस मौके पर रिखी क्षत्रीय ने अपनी ओर से मांदर भेंट किया।

रायबरेली ने मुझे अपनी आवाज बनाकर सम्मान दिया, लोगों की समस्याओं को हल करने हमेशा तत्पर हूं : राहुल गांधी

रायबरेली (आरएनएस)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। यहां पर राहुल गांधी कलेक्ट्रेट परिसर में बचत भवन में आयोजित दिशा बैठक (जिला विकास समन्वय व अनुश्रवण समिति) में भी शामिल हुए।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर इसकी जानकारी दी। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, रायबरेली से मेरा रिश्ता चाहे जितना भी पुराना हो, हर बार पहुंच कर और भी गहरा हो जाता है। सभी क्षेत्रवासियों ने मिल कर बहुत प्यार दिया और पूरे हक़ के साथ अपनी समस्याएं बताई।

उन्होंने आगे लिखा, सांसद के रूप में आज रायबरेली की पहली दिशा कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से पूरे क्षेत्र की परेशानियों और प्रगति कार्यों पर चर्चा की। साथ ही नवनिर्मित शहीद चौक एवं सड़कों का अनावरण भी किया। रायबरेली ने मुझे अपनी आवाज बनाकर सम्मान दिया है। उनकी जरूरतों की पूर्ति, समृद्धि और समस्याओं को हल करने के लिए हमेशा तत्पर हूं।

बता दें कि राहुल गांधी बैठक में शामिल होने से पहले लखनऊ-रायबरेली सीमा पर बने चुरुवा हनुमान मंदिर पहुंचे थे। जहां उन्होंने हनुमान जी के दर्शन किए। इसके बाद वह बछरावां पहुंचे, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। सुबह 10:45 बजे वे रायबरेली शहर पहुंचे, जहां उन्होंने फिरोज गांधी डिग्री कालेज चौराहा पर बने शहीद चौक का उद्घाटन किया। इसके बाद इसके बाद कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनाई गई 70.900 किमी की 9 सड़कों का लोकार्पण भी किया। सड़क निर्माण में फुल डेप्थ रिक्लेमेशन तकनीक का उपयोग हुआ है।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से शुरू होगा : रिजिजू

नई दिल्ली (आरएनएस)। संसद का शीतकालीन सत्र इस बार 25 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। इस सत्र के 20 दिसंबर तक चलने की संभावना है। संविधान दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर 26 नवंबर, 2024 को संविधान सदन (संसद के पुराने भवन) के सेंट्रल हॉल में एक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट कर बताया, भारत सरकार की सिफारिश पर, माननीय राष्ट्रपति ने 25 नवंबर से 20 दिसंबर, 2024 तक शीतकालीन सत्र, 2024 के लिए संसद के दोनों सदनों को बुलाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने राज्य अलंकरण, सम्मान एवं पुरस्कारों के लिए चयनितों के नामों की घोषणा की

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राज्योत्सव के समापन समारोह में प्रदान करेंगे पुरस्कार और सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार ने मंगलवार 5 नवंबर को राज्य अलंकरण सम्मान की घोषणा कर दी है। ज्ञात हो की रायपुर के महंत घासीदास संग्रहालय परिसर स्थित सभागार में आयोजित प्रेस-कॉन्फ्रेंस में राज्य अलंकरण, सम्मान और पुरस्कारों के लिए चयनित व्यक्तियों और संस्थाओं के नामों की घोषणा की। राज्य शासन के 16 विभागों द्वारा 35 अलंकरण, सम्मान और पुरस्कार दिए जा रहे हैं। इसके लिए चार संस्थाओं एवं 38 व्यक्तियों का चयन किया गया है। उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ 6 नवम्बर को नया रायपुर में राज्योत्सव के समापन समारोह में ये पुरस्कार और सम्मान प्रदान करेंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने राज्य शासन और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की ओर से राज्य अलंकरण, सम्मान एवं पुरस्कारों के लिए चयनित सभी व्यक्तियों और संस्थाओं को बधाई दी है। इस वर्ष राज्य अलंकरण के तहत राजधानी के तीन पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें वरिष्ठ पत्रकार भोलाराम सिन्हा (प्रिंट मीडिया), मोहन तिवारी (इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) और मुकेश एस. सिंह (अंग्रेजी प्रिंट मीडिया) के नाम शामिल हैं। भोलाराम सिन्हा और मोहन तिवारी को चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार दिया जाएगा, जबकि मुकेश एस. सिंह को मधुकर खरे स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही वंदना ग्रुप आफ इण्डस्ट्रीज के निदेशक सुभाष अग्रवाल को दानशीलता, सौहार्द एवं अनुकरणीय सहायता के लिए पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने अपने पिता की प्रेरणा से समाज के लिए गंगा डायग्नोस्टिक सेंटर अस्पताल प्रारंभ किया जहां लगभग नि:शुल्क परीक्षण और ईलाज किया जाता है। इसी तरह वीआईपी रोड स्थित वातानुकूलित निरंजन धर्मशाला की शुरूआत सालों पहले की है जो पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर बुक की जाती है। इसी तरह गरीबों के लिए वातानुकूलित अपना घर आश्रम की शुरूआत की है। छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण सम्मान के लिए चयनित लोगों के नामों की घोषणा राज्य सरकार ने किया है. इस सूची में दुर्ग जिले की चित्ररेखा सिन्हा का नाम भी शामिल है. चित्ररेखा सिन्हा को सामाजिक जागरूकता और महिलाओं के उत्थान के लिए माता बहादुर कलारिन सम्मान देने की घोषणा सरकार ने की है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

'हर प्राइवेट प्रॉपर्टी पर सरकार का अधिकार नहीं'

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने निजी संपत्ति विवाद में बड़ा फैसला सुनाया है। इस मामले में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सभी निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन नहीं। कुछ निजी संपत्ति समुदाय के भौतिक संसाधन हो सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट के 9 जजों की बड़ी बेंच ने अपने अहम फैसले में कहा कि सरकार सभी निजी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकती, जब तक कि सार्वजनिक हित ना जुड़ रहे हों।

कोर्ट ने बहुमत से जस्टिस कृष्णा अय्यर के पिछले फैसले को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस अय्यर के पिछले फैसले में कहा गया था कि सभी निजी स्वामित्व वाले संसाधनों को राज्य द्वारा अधिग्रहित किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि पुराना शासन एक विशेष आर्थिक और समाजवादी विचारधारा से प्रेरित था। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने साल 1978 के बाद के उन फैसलों को पलट दिया जिसमें समाजवादी थीम को अपनाया गया था और फैसला सुनाया गया था।

एसईसीएल में विविध कार्यक्रमों के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह सम्पन्न

सीएमडी डॉ.प्रेम सागर मिश्रा ने दिलाई सत्यानिष्ठा की शपथ, सीवीओ हिमांशु जैन ने सतर्कता जागरूकता के प्रयासों को किया रेखांकित

रायपुर (विश्व परिवार)। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 का समापन दिनांक 05 नवम्बर 2024 को सम्पन्न हुआ। वसंत विहार स्थित रविन्द्र भवन में आयोजित समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा के मुख्य आतिथ्य, निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एसएन कापरी, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री एन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी सुनील कुमार एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन की उपस्थिति में आयोजित हुआ।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक डा. प्रेम सागर मिश्रा ने कहा कि एसईसीएल में कार्य करने वाला प्रत्येक कर्मचारी सतर्कता आयोग से जारी विभिन्न आदेशों एवं निर्देशों के अनुपालन के लिए वचनबद्ध एवं प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा मिशन संबंध के ज़रिए सभी से बेहतर समन्वय , मिशन फाइट के जरिए हम अपने कर्मियों को उनके कार्य के प्रति सत्यनिष्ठा का भाव जगाने का कार्य कर रहे हैं वहीं मिशन जटायु के माध्यम से एसईसीएल के सभी अधिकारी-कर्मचारी को भ्रष्ट आचरण का विरोध करने व भ्रष्टाचार के प्रति सदैव सजग रहने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने संवेदनशील प्रबंधन संवादशील प्रबंधन के ध्येय को दोहराया।

मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री हिमांशु जैन ने कहा कि एसईसीएल के वर्ष 1985 में स्थापना के उपरान्त सफलता का जो पड़ाव आज हासिल किया हुआ है उसमें हमारे कर्तव्यनिष्ठ, इमानदार कर्मचारियों का योगदान रहा है, यह दिन उनको सम्मान देने, स्मरण करने का दिन है। सतर्कता जागरूकता का इस वर्ष का थीम-सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि है। सत्यनिष्ठा हमारे कार्य का मूल आधार है, समाज में व संस्थान में सत्य निष्ठा हो तो उसे आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता है।

इस अवसर पर अपने-अपने सम्बोधन में निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री एसएन कापरी, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री एन फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) श्री बिरंची दास, निदेशक (वित्त) श्री डी सुनील कुमार ने कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 अंतर्गत एसईसीएल की गतिविधियों ने समाज के विभिन्न वर्गों खासकर स्कूल-कालेज के बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित कर भ्रष्टाचार के प्रति सतर्क रहने के संदेश को दूर-दूर तक पहुँचाने का कार्य किया है, जो कि अत्यंत ही सराहनीय है। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह की समाप्ति पश्चात हमें सतर्कता जागरूकता को भूलना नहीं चाहिए बल्कि इसे अपने जीवनशैली का हिस्सा बनाते हुए इस पर निरंतर कार्य करते रहना है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों द्वारा कार्यक्रम स्थल प्रांगण में पौधारोपण किया गया उपरांत कार्यक्रम स्थल पर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर, लौह पुरुष सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कोल इण्डिया कारपोरेट गीत बजाया गया। कार्यक्रम में सतर्कता जागरूकता प्रतिज्ञा का पठन मुख्य अतिथि दवारा किया गया जिसे समस्त उपस्थितों ने दोहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को संवैधानिक घोषित किया

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार किया था

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक करार देने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के 22 मार्च के फैसले को पलटते हुए यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को संवैधानिक घोषित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि हाई कोर्ट के फैसले से 17 लाख छात्रों पर असर पड़ेगा और छात्रों को दूसरे स्कूल में स्थानांतरित करने का निर्देश देना उचित नहीं है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने 22 मार्च को यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। यह आदेश अंशुमान सिंह राठौड़ द्वारा दायर एक रिट याचिका की सुनवाई के दौरान आया था, जिसमें यूपी मदरसा बोर्ड की शक्तियों को चुनौती दी गई थी। साथ ही केंद्र तथा राज्य सरकारों द्वारा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तथा अन्य संबंधित मदरसों के प्रबंधन पर आपत्ति जताई गई थी। इसमें बच्चों को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (संशोधन) अधिनियम, 2012 जैसे मुद्दों पर भी आपत्ति जताई गई थी।

15 दिवसीय जल उत्सव आज से होगा शुरू, 20 राज्यों के 20 महत्वाकांक्षी जिलों और ब्लॉकों में होगा आयोजन

नीति आयोग द्वारा जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के साथ जल उत्सव मनाया जाएगा

दिल्ली (पीआईबी)। नीति आयोग जल प्रबंधन, संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता पैदा करने के लिए कल से 15 दिवसीय जल उत्सव शुरू करने जा रहा है। यह अभियान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का अनुपालन करता है, जिन्होंने दिसंबर, 2023 में आयोजित तीसरे मुख्य सचिवों के सम्मेलन के दौरान नदी उत्सव के आधार पर जल उत्सव का विचार रखा था।

जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के साथ साझेदारी में 6-24 नवंबर, 2024 के बीच 20 आकांक्षी जिलों/ब्लॉकों में जल उत्सव मनाया जाएगा। 20 राज्यों में शुरू किए जा रहे इस महोत्सव में जल संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी की परिकल्पना की गई है। इसका उद्देश्य घरों में जल का सदुउपयोग और उपयोगिताओं एवं एजेंसियों के बीच जल प्रबंधन के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है। स्कूली छात्रों को जल प्रबंधन गतिविधियों में नामांकित किया जा रहा है, जिससे वे अपने परिवारों और समुदायों में बदलाव के रूप में कार्य कर सके।

दो सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत 'जल बंधन' से होगी- जिसमें प्रतिष्ठित व्यक्ति और स्थानीय नेतागण जल संपदाओं पर पवित्र धागा बांधेंगे। वे अपने-अपने ब्लॉक और जिलों की 'जल संपदा पर तथ्य पत्रक' भी लॉन्च करेंगे। पखवाड़े में विभागीय गतिविधियों की योजना पर चर्चा करने के अलावा, लोग 'जल उत्सव शपथ' भी लेंगे, जिसमें जल संसाधनों को बनाए रखने और उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया जाएगा, ताकि विवेकपूर्ण और सतत उपयोग सुनिश्चित हो सके। इस शपथ के माध्यम से, समुदायों को जल का उपयोग करते समय 5 आर सम्मान करना, सीमित करना, पुन: उपयोग करना, पुनर्चक्रण और पुनर्भरण का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। जल उत्सव पखवाड़े के आने वाले दिनों में जल संपदा संपत्तियों की सफाई, जल संचय दिवस मनाना, कहानियों, प्रयोगों और जल निकायों के दौरे के माध्यम से जल प्रबंधन जागरूकता पैदा करने के लिए शिक्षकों को प्रोत्साहित करना और फील्ड टेस्ट किट का उपयोग करके छात्रों को जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण देना शामिल होगा। जल प्रबंधन के बारे में अधिक जागरूकता के लिए छात्रों को जल आपूर्ति और उपचार संयंत्रों का प्रदर्शन कराया जाएगा; जल उत्सव दौड़ या मैराथन का आयोजन; जल संपदा परिसर में एक पेड़ माँ के नाम के तहत पेड़ लगाना भी पखवाड़े के लिए नियोजित गतिविधियाँ हैं। जल उत्सव के दौरान पेयजल और स्वच्छता विभाग की नल जल मित्र पहल के तहत कौशल विकास के लिए लोगों को भी नामांकित किया जाएगा।

हेल्थ केयर एवं पाइल्स सेंटर

पिछले 10 वर्षों से सतत रुप से आपकी सेवा में 2500 से अधिक सर्जरी

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

: उपलब्ध सुविधाएँ :

- अत्याधुनिक लेज़र चिकित्सा
- सभी मलमार्ग के रोगों की दूरबीन द्वारा विशेष जांच
- क्षारसूत्र चिकित्सा
- डे-केयर चिकित्सा
- महिला चिकित्सा उपलब्ध
- दर्द रहित पूर्ण चिकित्सा
- वेरीकोज वेन की लेज़र चिकित्सा
- अत्यंत कम दर पर चिकित्सा
- इन्शुरेन्स क्लेम उपलब्ध

डॉ एस.ए. वाहिद
MS AY (Gen Surgery)
Certified Trained
Laser Proctologist
Minimal Invasive
Proctologist
Guiness Book Record
Participant
Life Member NSA

डॉ. नेहा
Ex Medical Officer
Cosmetologist
Trichologist
Female
Problem Expert

मलद्वार सम्बंधित सभी बीमारियों का इलाज

★ झंडा चौक, पंडरी (राजातालाब सब्जी मार्केट के पास), रायपुर
★ बालगोपाल हॉस्पिटल के सामने, बैरन बाज़ार, रायपुर

फ़ोन- 0771-4040808, मो.- 70007-18411

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

राज्य अलंकरण एवं राज्योत्सव समापन समारोह

06 नवम्बर, 2024

राज्योत्सव स्थल, नवा रायपुर, अटल नगर, छत्तीसगढ़

मुख्य अतिथि
श्री जगदीप धनखड़
माननीय उप राष्ट्रपति

अध्यक्ष
श्री रमेन डेका
माननीय राज्यपाल, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अतिविशिष्ट अतिथि
डॉ. रमन सिंह
माननीय अध्यक्ष, विधानसभा, छत्तीसगढ़

विशिष्ट अतिथि

श्री अरूण साव
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री विजय शर्मा
माननीय उप मुख्यमंत्री
छत्तीसगढ़

श्री रामविचार नेताम, माननीय मंत्री
श्री दयाल दास बघेल, माननीय मंत्री
श्री केदार कश्यप, माननीय मंत्री
श्री लखन लाल देवांगन, माननीय मंत्री
श्री श्याम बिहारी जायसवाल, माननीय मंत्री
श्री ओ.पी. चौधरी, माननीय मंत्री
श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, माननीय मंत्री
श्री टंकराम वर्मा, माननीय मंत्री
डॉ. चरणदास महंत, माननीय नेता प्रतिपक्ष
श्री बृजमोहन अग्रवाल, माननीय सांसद
श्री राजेश मूणत, माननीय विधायक
श्री पुरन्दर मिश्रा, माननीय विधायक
श्री मोती लाल साहू, माननीय विधायक
श्री अनुज शर्मा, माननीय विधायक
श्री गुरू खुशवंत साहेब, माननीय विधायक
श्री इंद्र कुमार साहू, माननीय विधायक

एवं

समस्त माननीय सांसद, विधायक, निगम, मंडल, आयोग, जिला पंचायत के माननीय अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यगण, माननीय महापौर की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित है।

आप सादर आमंत्रित हैं...

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए QR CODE स्कैन करें

हमने बनाया है, हम ही सँवारेंगे

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

SAMVAD- 42022/ 90

संक्षिप्त समाचार

आरंग के शिक्षाविद् मुरली मनोहर देवांगन का मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सम्मान

पीपला फाउंडेशन ने जताया हर्ष

आरंग (विश्व परिवार)। आरंग निवासी शिक्षाविद थिंक आईएएस अकादमी रायपुर के डायरेक्टर मुरली मनोहर देवांगन को प्रदेश के उत्कृष्ट शिक्षा संस्थान संचालक के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।श्री देवांगन ने बताया गत दिवस शिक्षा सम्मान 2024 का आयोजन कृषि विश्व विद्यालय रायपुर में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि विष्णु देव साय रहे। उन्होंने शिक्षाविद मुरली मनोहर देवांगन को सिविल सेवा परीक्षा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। विष्णुदेव साय ने थिंक आईएएस कोचिंग संस्थान को राज्य में उभरते उत्कृष्ट सिविल सेवा संस्थान बताया। यह पहली बार है कि आरंग के किसी शिक्षाविद् को सिविल सेवा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री द्वारा सम्मान मिला हो।श्री देवांगन को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित होने की नगर व अंचल में काफी चर्चा हो रही है। मुरलीधर मनोहर देवांगन स्वयं सेवी संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य भी हैं। उन्होंने नगर व अंचल के विभिन्न विद्यालयों में अनेक बार कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम कर चुके हैं।श्री देवांगन नगर के प्रतिष्ठित नागरिक व देवांगन समाज के संरक्षक एवं रायपुर राज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष द्वारिका प्रसाद देवांगन के सुपुत्र है। वहीं इस उपलब्धि के लिए पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों में हर्ष की लहर है।

राज्यपाल से लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मुलाकात कर ऑल इंडिया रोड कांग्रेस के अधिवेशन हेतु आमंत्रण दिया

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज राजभवन में लोक निर्माण के अधिकारियों ने मुलाकात कर उन्हें ऑल इंडिया रोड कांग्रेस के 8वें अधिवेशन के लिए आमंत्रण दिया। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित यह अधिवेशन 8 से 11 नवम्बर 2024 तक साइंस कॉलेज मैदान रायपुर में होगा। जिसमें देशभर के राज्यों के लोक निर्माण के अधिकारी, कंस्ट्रक्शन विशेषज्ञ, डिजाइनर, स्टेट हाईवे के अधिकारी, तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थी आदि शामिल होंगे।

लोन लेने के लिए ITR बनवायें मात्र 500/- में
शेखर गुप्ता ONLYTDS.COM
ITR GST
हमारे TAX Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
G.S.T. रिटर्न | Food Licence
इन्कम TAX फाईल | M.S.M.E. रजिस्ट्रेशन
TDS रिफंड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिग्नेचर
9300755544, 8878655544

एनएसओ का सुपरविजन मॉड्यूल वेब एवं मोबाइल एप्लिकेशन पर राज्यस्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), रायपुर में आज, डिजिटल जनरल क्रॉप एस्टिमेशन सर्वे के सुपरविजन मॉड्यूल के वेब/ मोबाइल एप्लिकेशन पर प्रशिक्षण हेतु एक दिवसीय राज्यस्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, पश्चिम अंचल, नागपुर के उपमहानिदेशक श्री श्रीनिवास उपाला तथा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर के उपमहानिदेशक श्री अल्ताफ हुसैन हाजी ने किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के महालनोबिस राष्ट्रीय क्रॉप एस्टिमेशन सेंटर के उपनिदेशक श्री कुणाल कपूर एवं उनके सहयोगियों ने प्रशिक्षणार्थियों को डिजिटल मॉड्यूल के तकनीकी एवं व्यावहारिक बिन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (कृषि सांख्यिकी कार्यालय), फ़रीदाबाद के संयुक्त निदेशक, श्री सुधीर कुमार ने सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण के महत्व तथा उपयोगिता के संबंध में जानकारी दी एवं इसके डिजिटलीकरण से होने वाले लाभ के बारे में अवगत कराया। उपनिदेशक, श्री कुणाल कपूर ने फसल अनुमान सर्वेक्षण के डिजिटलीकरण से संबन्धित प्रक्रिया का पावर पॉइंट के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, रायपुर, अम्बिकापुर, बिलासपुर और दुर्ग के वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारियों सहित आयुक्त, भू-अभिलेख कार्यालय और आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, छत्तीसगढ़ शासन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया।

नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने होम वोटिंग के लिए मतदान रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के तहत आज से होम वोटिंग 5 नवंबर से शुरू हो गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट परिसर से होम वोटिंग के लिए मतदान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही मतदान दल के सभी कर्मियों को पुष्प देकर स्वागत किया। उप निर्वाचन के लिए 4 अलग-अलग मतदान रथ विधानसभा में पहुंचकर होम वोटिंग कराएगी। मतदान रथ के माध्यम से 85 से अधिक उम्र के बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को वोटिंग की सुविधा दी जा रही है। सभी मतदान दल को आज मतदान सामग्री का वितरण किया गया और उन्हें रवाना किया गया है। होम वोटिंग की सुविधा 5 से 7 नवंबर 2024 तक चलेगी। इस अवसर पर रिटर्निंग ऑफिसर पुष्पेंद्र शर्मा, उप निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स व ऑर्थोटिक्स दिवस मनाया गया

इस नई बिदा में कारिंएर चुनने और सेवा देने का अवसर : प्रो. एस.के. सिंह

रायपुर (विश्व परिवार)। 5 नवंबर 2024 को एक भावपूर्ण समारोह के रूप में श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने अंतर्राष्ट्रीय प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स (पी एंड ओ) दिवस मनाया, जो दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने में कृत्रिम अंगों और आर्थोसिस की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित एक महत्वपूर्ण अवसर है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी को समान और सुलभ पी एंड ओ सेवाएं प्रदान करने के महत्व को उजागर करना था, जिसमें क्षेत्र में संसाधनों और आउटरीच में सुधार पर विशेष ध्यान दिया गया था।

कार्यक्रम के दौरान, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) श्री राजेश तिवारी ने इस दिन के उद्देश्य पर अपने विचार साझा किए, तथा प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक सेवाओं तक अधिक पहुंच की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के गंभीर आंकड़े भी प्रस्तुत किए, जिसमें खुलासा हुआ कि 5 प्रतिशत आबादी किसी न किसी रूप में दिव्यांगता से प्रभावित है।

कुलपति प्रो.एस.के. सिंह ने अपने संबोधन में इस तरह के महत्वपूर्ण विषय पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इस पहल की सराहना की। उन्होंने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस नई बिदा में कारिंएर चुनने और सेवा देने का अवसर युवाओं को प्राप्त होगा और यह पी एंड ओ सेवाओं के महत्व एवं इस क्षेत्र में आगे के विकास की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित करने का एक अनूठा और समयोचित अवसर है। उनकी टिप्पणियों में चिंतनशील विमर्श स्थापित किया, जिससे सामाजिक आवश्यकताओं को संबोधित करने वाली पहलों का समर्थन करने के लिए यूनिवर्सिटी की प्रतिबद्धता को बल मिला।

इस कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से 200 से अधिक विद्यार्थी, शोधकर्ता और प्रोफेसर ने देश के विभिन्न राज्यों से भाग लिया। डॉ. स्वागतिका मिश्रा एचओडी और संयुक्त निदेशक एमजीएम मेडिकल कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी नवी मुंबई, डॉ. रंजीत कुमार एचओडी शकुंतला यूनिवर्सिटी लखनऊ (यूपी), डॉ. एमसी दास एचओडी उत्तर रेलवे, डॉ. राजीव वर्मा ऑर्थोको रांची और डॉ. रविका पाचाल कोच्चि से श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के छात्रों और स्टाफ सदस्यों के साथ ऑनलाइन जुड़कर अपने विचार भी साझा किये।

कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा, अकादमिक डीन डॉ. आर.आर.एल. बिराली और फार्मेसी विभाग के प्रिंसिपल डॉ. विजय सिंह की उपस्थिति ने कार्यक्रम को समृद्ध किया। उनमें से प्रत्येक ने विशेष रूप से दिव्यांग लोगों के लिए गतिशीलता, स्वतंत्रता और समग्र स्वास्थ्य परिणामों में सुधार के संदर्भ में कृत्रिम अंगों और ऑर्थोसिस के महत्व पर विस्तार से बताया। उनकी बातचीत ने पी एंड ओ प्रौद्योगिकी और सेवाओं को आगे बढ़ाने में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन से यह स्पष्ट हुआ कि यूनिवर्सिटी की पहल महज एक उत्सव नहीं थी- यह आग्रह का आह्वान था, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और नीति निर्माताओं के बीच अधिक सहयोग का आग्रह किया गया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक देखभाल के जीवन-परिवर्तनकारी लाभों तक पहुंचने में कोई भी पीछे न रह जाए।

अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम हेतु दुर्ग स्टेशन में चलाया गया औचक खानपान जांच अभियान, 5 अनाधिकृत वेंडर पकड़े गये

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे द्वारा अधिकृत वेंडरों द्वारा गाडियों तथा स्टेशनों में गुणवत्तायुक्त खानपान की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। रेलवे प्रशासन स्टेशनों एवं गाडियों में यात्रियों को उपलब्ध कराई गई खानपान की गुणवत्ता को बरकरार रखने तथा उसमें लगातार सुधार हेतु प्रतिबद्ध है। साथ ही रेलवे प्रशासन को अनाधिकृत वेंडिंग की शिकायत भी समय-समय पर मिलती रहती है। इसी संदर्भ में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अवधेश कुमार त्रिवेदी के निर्देश पर मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा गाडियों तथा प्रमुख स्टेशनों में अनाधिकृत वेंडरों की रोकथाम हेतु नियमित रूप से खानपान जांच अभियान चलाया जा रहा है।

इसी कड़ी में 05 नवंबर 2024 को मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री राकेश सिंह के नेतृत्व में दुर्ग स्टेशन में चलाये गए औचक खानपान जांच अभियान के दौरान 05 आनाधिकृत वेंडर पकडे गये जिन पर रेलवे नियमानुसार की कार्रवाई की गई7 सभी केटरिंग संचालकों को बिना प्लेटफार्म परमिट के प्लेटफार्म एवं गाडियों में खाद्य सामग्री नहीं बेचे जाने की सख्त हिदायत दी गई। मंडल रेल प्रशासन अनाधिकृत वेंडिंग को पूर्णत: बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगा। इस अभियान में वाणिज्य निरीक्षक, टिकट चेकिंग स्टाफ व आरपीएफ़ स्टाफ भी शामिल थे।

आंबेडकर अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में लगी आग, बड़ी दुघर्टना टली

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में मंगलवार को अचानक आग लग गई। आग अस्पताल के तीसरी मंजिल में स्थित ऑपरेशन थिएटर में आग लगी है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाडियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान मौके पर पुलिस टीम मौजूद रही।

मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर आंबेडकर अस्पताल के तीसरे माले पर स्थित ऑपरेशन थिएटर में आग लग लगी। बताया जाता है कि आग एसी का कंप्रेसर फटने की वजह से लगी है। इस दौरान ऑपरेशन थिएटर में एक मरीज का ऑपरेशन चल रहा था तथा जब आग लगी तो ऑपरेशन को बीच में रोककर डॉक्टर की टीम रेस्क्यू में जुट गई। इस दौरान मरीज तड़पता रहा। वहीं इस घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और किसी तरह मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। बताया जा रहा है कि जब कमरे में आग लगी उस दौरान मिडिया कर्मियों को रोकने के लिए अस्पताल स्टॉफ के द्वारा कमरे का मुख्य दरवाजा बंद कर दिया गया जिसके चलते पूरे कमरे में धुंआ भर गया जिसके बाद दरवाजा खोला गया। इस दौरान ऑपरेशन टेबल पर पड़े मरीज को कमरे की खिड़की का ग्रील काटकर बाहर निकाला गया। वहीं इस घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी आंबेडकर अस्पताल पहुंचे और मौके का जायजा लेने के बाद घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

कार्यालय नगर पंचायत इंदौरी, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

Email ID: cmoindori@gmail.com

क्रमांक 250/न.पं/लो.नि.वि./ 2024-25 इंदौरी, दिनांक 05.11.2024

ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा (Online) दिनांक 25.11.2024 समय शाम 05:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

No.	System Tender No.	Description	Cost (In Lacks)
1	160831	भारत माता चौंक निर्माण कार्य	29.66

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्यो के निविदा की सामान्य शर्ते, आवश्यक शुल्क / धरोहर राशि की विस्तृत जानकारी, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी हेतु ई-प्रोक्योमेन्ट बैंक पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 252/लो.नि.वि./न.पं. / 2024-25 इंदौरी, दिनांक 05.11.2024

नगर पंचायत इंदौरी क्षेत्रांतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 अधोसंरचना मद अंतर्गत आमंत्रित कार्यो हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र 'ए' तथा निविदा प्रपत्र 'एबीसी' में छ.ग. लोक निर्माण भवन एस.ओ.आर. (दि. 01.01.2015 से प्रभावशील) सामान/कम/अधिक प्रतिशत दर एवं नॉन एस.ओ.आर. आईटस हेतु सामाग्री दर (निर्माण / स्थापना सहित) पर इच्छुक निविदाकारों / निर्माताओं/ से सीलबंद लिफाफे से स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक के द्वारा त्रि-लिफाफा पद्वति द्वारा मैनुअल निविदा आमंत्रित किया जाता है।

निविदा प्रपत्र प्राप्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि -18.11.2024
निविदा प्रपत्र प्रदान करने की तिथि - 20.11.2024

निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 26.11.2024 दोपहर 03:00 बजे तक
निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि एवं समय :- 26.11.2024 शाम 04:00 से

टीप:- उपरोक्त कार्य की निविदा से संबंधित अन्य समस्त जानकारियाँ कार्यालय न.पं. पिपरिया के सूचना पटल एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in में देखा जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत इंदौरी

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर, जिला-जशपुर (छत्तीसगढ़)

रा.प्र.क्र . / /अ-6(अ)/2024-25
ग्राम आरा (नगेरापत्थल) तहसील जशपुर

// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामीण जनता **ग्राम आरा (नगेरापत्थल), प.ह.नं. 21, रा.नि.म. आरा, तहसील व जिला जशपुर (छ.ग.)** को सूचित किया जाता है कि **आवेदिका सुधनी बाई पिता लसरू राम, जाति रौतिया निवासी ग्राम आरा (नगेरापत्थल) तहसील जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.)** द्वारा स्वयं उपस्थित होकर ग्राम आरा, प.ह.नं. 21, रा.नि.म. आरा, तहसील जशपुर में स्थित भूमि खसरा नं. **140/2, 140/4, 178/3, 389 391** रकबा क्रमश: **0.142 हे.. 0.093 हे., 0.263 हे., 0.174 हे., 0.458 हे.** कुल **खसरा नं. 05 कुल रकबा 1.130 हे.** किसान किताब में अंकित है। उपरोक्त खसरा नम्बर में से **खसरा नं. 140/4 रकबा 0.093 हे.** भूमि त्रुटिवश अनावेदकगण **रज्जू आनन्द पिता भगलू, माटि बाई बेवा भगलू जाति रौतिया, निवासी आरा (नगेरापत्थल)** के नाम से प्रदर्शित हो रहा है तथा खसरा नं. 389 रकबा 0.174 हे. बडे झाड के जंगल (छ.ग. शासन) वर्ष 2021-22 के पी-2 में प्रदर्शित हो रहा है। आवेदिका द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार कर खसरा नं. **140/4 रकबा 0.093 हे.** एवं खसरा नं. 389 रकबा **0.174 हे.** को अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र के साथ में ऋण पुस्तिका की छायाप्रति, बी-1 एवं पी-2 पेश कर निवेदन किया है।

उक्त मामले की सुनवाई दिनांक **14/11/2024 को दिन के 11.00 बजे** इस न्यायालय में होना नियत किया गया है। अत: इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे अपना लिखित आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर नियत तिथि को प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्रस्तुत आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) जशपुर
जिला - जशपुर
(छत्तीसगढ़)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर

email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी कबीर नगर, रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना में से **भवन/भूखण्ड क्र. एल.आई.जी 52/621 में, श्री सुनील कुमार कावडे पिता श्री रामरतन कावडे** को स्ववित्तीय/एकमुश्त /ऑफर आधार पर आबंटित / नामातरित किया गया है। उनके द्वारा दि. 24.11.2017 को विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। उनके द्वारा इस कार्यालय के पत्र क्रमांक-1854 दिनांक 28.04.2017 के द्वारा विक्रय अनुमति प्राप्त कर उक्त भवन **श्रीमती स्मृति वैष्णव पति श्री अविनाश कुमार एवं अविनाश कुमार पिता श्री शिव कुमार दास** के पक्ष में दिनांक 21.07.2017 को विक्रय कर दिया।

तद्उपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन/भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन/भूखण्ड **क्रेता श्रीमती स्मृति वैष्णव पति श्री अविनाश कुमार एवं अविनाश कुमार पिता श्री शिव कुमार दास** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय/वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर स्वत: उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जायेंगी. एवं भवन का नामातरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)

संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./14621/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 23-09-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 14621
वार्ड का नाम- 04 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 04 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104F00204** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GANESHA COLOUR AND CHEMICAL RAJESHWAR SHARAN GOYAL UMANG GOYAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **UMANG GOYAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ABHAY GOYAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAJESHWAR SHARAN GOYAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **VASIYAT NAMA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)

संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15188/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 21-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15188
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107L00384** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJO BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE PARASRAM VERMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **DUKLHA VERMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHOBHA RAM VERMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **BATWARANAMA** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)

संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15249/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 21-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15249
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107I00163** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **K A M A L N A R A Y A N MADHUKUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR LAL BANCHHOR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MADHU KUMAR BANCHHOR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHANKAR LAL BANCHHOR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)

संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15250/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 21-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15250
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107I00106** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PYARI DEVI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMBIKA THAKUR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **RAM PRAVESH THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **AMBIKA THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)

संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./15220/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 18-10-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 15220
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR107J00044** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LATE JAGDISH DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. DOLLY DAS 2. SHRI RAHUL KUMAR DAS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE JAGDEV DAS** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **GRANTH KRAMANKA 44386, DT 24.06.2009** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर

email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल उपाध्याय नगर कालोनी, **डंगनिया, रायपुर में निर्मित एम.आई.जी II** योजना के अतंर्गत भवनों में से **भवन क्र. एम.आई.जी-II/460 सेक्टर 02, श्री प्रकाश चंद जैन पिता श्री स्व. ज्ञानचंद जैन** को भाडाक्रय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 07.04 2015 को सेलडीड निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 16.07.2024 को नोटरी द्वारा निष्पादित विक्रय विलेख की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त भवन **1. श्रीमती पुष्पा श्रीवास पति श्री ओम श्रीवास 2. श्रीमती संतोषी श्रीवास पति श्री देवेश श्रीवास** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

संपादकीय चंद्रबाबू नायडु का बयान और भाजपा की चुप्पी

टीबी की वापसी क्यों?

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की- ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024- के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए- चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/आरआर-टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआर/आरआर-टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है। डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी- यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

चंद्रबाबू नायडु का बयान और भाजपा की चुप्पी

योगेंद्र योगीस्व

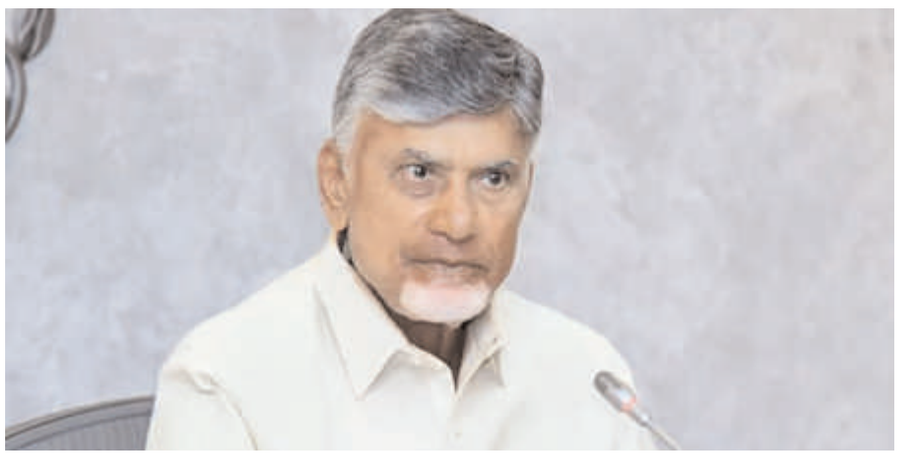

इसमें प्रमुख सवाल यही है कि क्या दोनों मुख्यमंत्री दो से ज्यादा पैदा होने वाले बच्चों के पालन-पोषण का भार वहन करेंगे। क्या ऐसा करने वाले दंपत्ति को सरकार अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराएगी। जब तक सरकार ऐसी जिम्मेदारी उठाने को तैयार नहीं होगी, तब तक तमाम बोझ कौन उठाएगा आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो से अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चंद्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडु के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडु के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिएं। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडु द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लडऩे की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढक़र 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है, क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढक़र 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की यह संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉर्मूले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉर्मूला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढक़र 35 या 36 होगी। जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडु को हर हाल में आंध्रप्रदेश में अपने वोट बैंक को मजबूत रखना है। मुख्यमंत्री नायडु को इससे फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा उनके बारे में क्या सोचती है। नायडु से समर्थन लेने की गरज भाजपा की है, नायडु की नहीं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री नायडु ने आंध्रप्रदेश में जब मुस्लिमों को मिला आरक्षण नहीं हटाए जाने की घोषणा की, तब भी भाजपा से बोलते नहीं बन पड़ा। भाजपा को पता है कि नायडु से पंगा लेने का मतलब केंद्र सरकार का गिरना तय है। नायडु की पार्टी के 16 सांसदों का समर्थन केंद्र की भाजपा सरकार को हासिल है। इसलिए नायडु को भाजपा और केंद्र सरकार की परवाह नहीं है। नायडु ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान ही राज्य में मुस्लिम समुदाय को चार प्रतिशत आरक्षण देने के अपने रुख को दोहराया दिया था। चंद्रबाबू नायडु ने कहा था कि हम शुरू से ही मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का समर्थन कर रहे हैं और यह जारी रहेगा। टीडीपी प्रमुख का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेलंगाना के जहीराबाद में एक चुनावी रैली के दौरान दिए गए उस बयान के कुछ दिनों बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह धर्म के आधार पर दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का कोटा मुसलमानों को नहीं दिए जाने देंगे। गौरतलब है कि इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक की ओबीसी सूची में मुस्लिम समुदाय को शामिल किए जाने पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सिद्धारमैया सरकार के फैसले की निंदा की थी। मध्य प्रदेश की रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया और कहा, एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है। इस कदम से ओबीसी समुदाय को आरक्षण के एक महत्वपूर्ण हिस्से से वंचित कर दिया गया है। रिकॉर्ड बताते हैं कि कर्नाटक में यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल सरकार द्वारा लागू किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी की तरह ही देवेगौड़ा की जद (एस) अब भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। भविष्य की राजनीति बचाने के लिए की जा रही। नायडु और स्टालिन की कवायद से सवाल भी खड़े होते हैं। इसमें प्रमुख सवाल यही है कि क्या दोनों मुख्यमंत्री दो से ज्यादा पैदा होने वाले बच्चों के पालन-पोषण का भार वहन करेंगे। क्या ऐसा करने वाले दंपत्ति को सरकार अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराएगी। जब तक सरकार ऐसी जिम्मेदारी उठाने को तैयार नहीं होगी, तब तक इनकी सलाह मानने वाले परिवारों को तमाम बोझ उठाना पड़ेगा। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दो से अधिक बच्चे होने पर जिम्मेदारी उठाने का जिक्र तक नहीं किया। इसी तरह भाजपा ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं जताई। तमिलनाडु के मामले में हो सकता है कि भाजपा जरूर कोई बयान देती।

आलेख

आंखों के आगे इतिहास!

हां, आंखों देखा इतिहास! ऐतिहासिक मोड़ पर है मौजूदा सिरमौर सभ्यता अमेरिका। वह इस सप्ताह अपने हाथों अपनी सभ्यता का इतिहास बनाएगी। अमेरिकी मतदाता तय करेंगे कि वे अपने सभ्यतागत मूल्यों और सांचे की निरंतरता में कमला हैरिस को जिताते हैं या वैयक्तिक तानाशाही जिद्द वाले डोनाल्ड ट्रंप को जिताते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का अर्थ अमेरिका में विभाजन, संस्थाओं के पतन की गारंटी है। और जब कोई सभ्यता घर में विभाजित होती है तो उसकी ताकत, एकता, बुद्धि सब धरी रह जाती है। दो खेमों में विभाजित देश फिर धर्म, नस्ल, धन और अहंकार की आपसी लड़ाई का अखाड़ा होता है। ज्योंहि ऐसा हुआ त्योंहि सभ्यता को खत्म करने की ताक में बैठी बर्बर नस्ल और धर्म के लिए मौका खुलता है। आज इस मौके की ताक में चीन है तो पुतिन और इस्लाम भी है। इन तीनों के इरादे आंखों के आगे लाइव उपस्थित हैं। सोचें, जिस अमेरिका ने इस सदी के आरंभ में, 9/11 के बाद आतंकवाद (इस्लाम) के खिलाफ वैश्विक जंग का हुंकारा मारा था, वह भटका हुआ है और उसकी जगह वह इजराइल इस्लाम को ठोक रहा है, जिसके नेता नेतन्याहू बिना इस समझ के क्रूरता दर्शा रहे हैं कि वे बंधकों को छुड़वा रहे हैं, बदला ले रहे हैं, देश को सुरक्षित बना रहे हैं या क्रूसेड है? मेरा मानना है इजराइल का ठोकना इस्लाम को और जिद्दी बनाना है? इसके नतीजे उलटे और उग्र होंगे। उस नाते यहूदियों और ईसाईयों दोनों की नासमझी है जो वे अपने जिद्दी भाई (अब्राहम की संतान, इस्लाम) को अपने मूल धर्म में लौटाने, उनकी घर वापसी की नहीं सोचते, बल्कि ठोक-ठोक कर तीसरे महायुद्ध, सभ्यतागत संघर्ष का पानीपत मैदान बना दे रहे हैं। इस्लाम की लाइव ठुकाई के फोटो इस्लाम को सुलगाने वाले हैं। निश्चित ही अतीत में इस्लाम की क्रूर तलवार और क्रूसेड के दृश्य आज के मुकाबले बेइंतहा खौफनाक थे। मगर पहले और दूसरे महायुद्ध के क्रम में यदि तीसरे महायुद्ध का सिनेरियो बन रहा है तो वह इस कारण पूरी पृथ्वी के लिए घातक होना है क्योंकि अब परमाणु हथियारों के जखीरे की वास्तविकता भी है। इसलिए यहूदी बनाम मुसलमान, ईसाई बनाम इस्लाम, इजराइल बनाम ईरान, अमेरिका बनाम चीन, यूक्रेन बनाम रूस, उत्तर कोरिया बनाम दक्षिण कोरिया आदि की हकीकत का कुल सार आमने सामने की सीधी लड़ाई के पाले बनना है। हर पक्ष की जिद्द खूंखार होती हुई है। एक तरफ अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता तथा ईसाई और यहूदी हैं तो दूसरी और चीन है। फिर इस्लाम (जो इजराइल की ठुकाई से चीन-रूस से जुड़ता हुआ है) है। चीनी नेता बोलते नहीं हैं। न राष्ट्रपति माओ, देंग शियाओ पिंग भड़भड़िया नेता थे और न शी जिनफिंग हैं। ये चीनी नेता अतीत के अपने गौरव हान सभ्यता की वैश्विक पताका में चीन की श्रीवृद्धि के राष्ट्रवादी हैं। इनके लिए याकि मौजूदा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की ठोस पूंजी (रूसियों की तरह) क्रूर, कठोर, परिश्रमी चाइनीज जनता है। जिसका कभी भी लोकतंत्र, मानवीय मूल्यों, स्वतंत्रता से सरोकार नहीं रहा है। तभी माओ की क्रांति हो या देंग और शी जिनफिंग के वैश्विक कारखाने, अमीरतम बनने का मिशन, सभी में नेतृत्व, पार्टी और जनता ने एकनिष्ठता से काम किया है। उसके लिए असुरी महाशक्ति बनना मुश्किल नहीं था। इसका लक्ष्य अब अमेरिका व पश्चिम सभ्यता की जगह अपने झंडे, अपनी व्यवस्थाओं में दुनिया को चलाना है। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और उनके रणनीतिकारों ने चुपचाप बिसात बिछा दी है। चीन का लक्ष्य अमेरिका की जगह लेना है। एशिया का अधिपति होना है। चीन के लिए भारत, जापान, दक्षिण एशिया, ताइवान, आसियान देशों का जीरो अर्थ है। इसलिए क्योंकि ज्योंहि अमेरिका का पतन हुआ, दुनिया की उसकी चौधराहट छूटी या उसने छोड़ी तो पलक झपकते ये तमाम छोड़े बड़े देश चीन की कॉलोनी होंगे। यों भी दक्षिण या तीसरी दुनिया के ये देश आर्थिक तौर पर चीन से बंधे, उस पर आश्रित हैं। उधर परोक्ष तौर पर चीन ने रूस या पाकिस्तान के मार्फत मध्य एशिया के सभी इस्लामी देशों के अलावा अफगानिस्तान के तालिबान, ईरान और उन सब मुस्लिम देशों का विश्वास जीत लिया है जो इजराइल के हाथों घायल हैं। अपनी इस ग्रैंड योजना, वैश्विक बिसात में चीन किस शातिरता से फैसले करते हुए है इसका प्रमाण ब्रिक्स की हालिया शिखर बैठक थी। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और पुतिन ने बैठक में तुर्की के उन राष्ट्रपति एर्दोआन को बुलाया जो उइगर मुसलमानों के उत्पीड़न के हवाले चीन के खिलाफ बोलते थे। एर्दोआन को शी और पुतिन ने पटा लिया है।

परिसीमन का क्या पैमाना होगा?

अजीत द्विवेदी

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि 'जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिए'? इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी। तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी। आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढ़ने की दर रिप्लसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढ़ने की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है। ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढ़ना रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए। अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है और औसतन 20 लाख की आबादी पर एक सीट का फॉर्मूला तय होता है तो दक्षिण के ज्यादातर राज्यों में सीटों में कोई बदलाव नहीं होगा, जबकि उत्तर प्रदेश में सीटों की संख्या 80 से बढ़ कर 120 हो जाएगी। बिहार में 40 से बढ़ कर 70 हो जाएगी। सोचें, इससे इन राज्यों की राजनीतिक हैसियत कितनी बढ़ जाएगी? अगर ऐसा होता है तो ओवरऑल लोकसभा की सीटों में बड़ी बढ़ोतरी करनी होगी। वैसे नए संसद भवन में इसकी तैयारी पहले हो चुकी है। नए संसद भवन में निचले सदन यानी लोकसभा में 880 सांसदों के बैठने की व्यवस्था है। अगर संख्या इतनी नहीं भी बढ़ाएं तब भी आठ सौ तक संख्या जा सकती है। इस फॉर्मूले से यानी आबादी के अनुपात में सीटों की संख्या बढ़ाने का फैसला होता है तो दक्षिण के सभी राज्यों को मिला कर करीब 20 सीट का फायदा होगा। लेकिन उत्तर और पश्चिम भारत के राज्यों में डेढ़ सौ से ज्यादा सीटें बढ़ जाएंगी। अगर सरकार लोकसभा सीटों की संख्या नहीं बढ़ाने का फैसला करती है तब परिसीमन में जनसंख्या का पैमाना 30 लाख की आबादी पर एक सीट का रखना होगा। अगर ऐसा किया जाता है तब उत्तर प्रदेश में 80 और बिहार में 42 सीटें होंगी। लेकिन ऐसे में कम से कम आठ राज्य ऐसे होंगे, जहां लोकसभा की एक भी सीट नहीं बनेगी क्योंकि उन राज्यों की आबादी 30 लाख से कम है। अगर किसी भी राज्य में जीरो सीट नहीं रखनी है यानी चाहे जितनी आबादी हो उसे कम से कम एक लोकसभा सीट देनी है तो सबसे छोटे राज्य की आबादी के हिसाब से एक सीट का फॉर्मूला बनाना होगा। ऐसे में ओवरऑल सीटों की संख्या में छह सीटों की बढ़ोतरी होगी यानी कुल सीट संख्या 549 हो जाएगी।

कश्मीर युद्ध के गुमनाम नायक शेर जंग थापा

प्रताप सिंह पटियाल

मौजूदा दौर में जम्मू-कश्मीर राज्य के सियासी रहनुमां जश्न-ए-जम्हूरिया मना रहे हैं, मगर 1947-48 के युद्ध में कश्मीर के मुहाफिज शेर जंग थापा, कमान सिंह पठानिया, अनंत सिंह पठानिया, ठाकुर पृथी चंद व खुशाल ठाकुर की शूरवीरता पर गुमनामी का तमस छा चुका है बाईस अक्तूबर 1947 को पाक सेना ने हजारों कबायली लड़ाकों के साथ जम्मू-कश्मीर रियासत पर हमला कर दिया था। जम्मू-कश्मीर के शासक 'हरि सिंह' के लिए परिस्थितियां गंभीर हो चुकी थीं। 26 अक्तूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर रियासत का भारत में इलहाक हुआ तो रियासत की स्टेट फोर्सेज भितरघात का शिकार हो गई। गिलगित व बलोचिस्तान की सुरक्षा में तैनात जम्मू-कश्मीर राज्य की फोर्स 'गिलगित स्काउट' तथा सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक विद्रोह करके पाक सेना से जा मिले थे। गिलगित स्काउट के कमांडर मेजर 'विलियम ए ब्राउन' ने गिलगित के गवर्नर ब्रिगेडियर 'घनसारा सिंह' को कैद करके एक नवंबर 1947 को अपने मुख्यालय पर पाकिस्तान का परचम फहरा दिया था। गिलगित एजेंसी की सीमा पर 'बुंजी' में तैनात 'जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री' की 'छठी' बटालियन के कर्नल 'अब्दुल मजीद खान' को भी कैद कर लिया गया था। उसी बटालियन के कैप्टन 'मिर्जा हसन खान' ने सैंकड़ों मुस्लिम सैनिकों के साथ मिलकर बगावत को अंजाम देकर बुंजी के निकट 'जंगलोट' में तैनात अपनी ही सिख कंपनी पर हमला करके कई सिखों को हलाक कर दिया तथा पाक सेना से जा मिले थे। उसी छठी जम्मू कश्मीर इन्फैंट्री में सेवारत हिमाचल के 'शेर जंग थापा' उस समय अपनी एक कंपनी के साथ लद्दाख सेक्टर में तैनात थे। शेर जंग थापा को कर्नल पद पर पदोन्नत करके स्कर्दू में अपनी बटालियन की कमान संभालने का आदेश मिला। लद्दाख से स्कर्दू तक का सफर पैदल तय करके शेर जंग तीन दिसंबर 1947 को स्कर्दू पहुंचे। शेर जंग ने कैप्टन कृष्ण सिंह के नेतृत्व में सिख सैनिकों को 'त्सारी' तथा कैप्टन 'गंगा सिंह' के नेतृत्व में एक सैन्य दस्ता 'कारगिल' में तैनात किया। मात्र साठ सैनिकों के साथ शेर जंग ने स्कर्दू में मोर्चा संभाला। दस फरवरी 1948 को कैप्टन प्रभात सिंह दो कंपनियों के साथ शेर जंग की सहायता के लिए स्कर्दू पहुंचे, मगर शेर जंग की बटालियन के कैप्टन 'नेक आलम' ने अपने मुस्लिम सैनिकों के साथ पाक फौज से मिलकर दस फरवरी 1948 को स्कर्दू के त्सारी में तैनात सिख कंपनी पर

हमला करके कैप्टन कृष्ण सिंह सहित लगभग पूरी कंपनी को हलाक करके पाक सेना में शामिल हो गया। 12 फरवरी 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले की घेराबंदी करके हमले शुरू कर दिए। शेर जंग के नेतृत्व में सैनिक पाक फौज के हमलों को नाकाम करते रहे, लेकिन पाक फौज की उस बड़े पैमाने की घेराबंदी के बाद शेर जंग को सैन्य सहायता नसीब नहीं हुई थी। जम्मू-कश्मीर राज्य बलों से बगावत करके पाक सेना से जा मिले कर्नल बुरहानुद्दीन, मोहम्मद खान व बाबर खान गिलगित स्काउट की कमान संभाल कर स्कर्दू किले को घेर चुके थे। शेर जंग की बटालियन के भगोड़े कर्नल 'एहसान अली' की कयादत में 'आईबेक्स फोर्स' तथा चित्राल रियासत के 'चित्राल स्काउट व चित्राल बाडीगार्ड' के साथ सैंकड़ों कबाइली व पश्तून लड़ाकों को कर्नल मताउल मुल्क की कमान में पाक सिपाहसालारों ने स्कूर्द किले की घेराबंदी में तैनात किया था। मिर्जा हसन खान को बुंजी सेक्टर का गर्वनर तथा कर्नल 'असलम खान' 'पाशा' को गिलगित स्काउट का कमांडर नियुक्त कर दिया था। शेर जंग की मदद के लिए ब्रिगेडियर 'फक्कीर सिंह' तथा कर्नल संपूर्ण बचन सिंह की कमान में दो बड़े सैन्य दल श्रीनगर से सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर तय करके स्कर्दू के लिए जरूर निकले थे। मगर उसी गिलगित स्काउट के सैनिकों ने उन सैन्य दस्तों पर घात लगाकर हमले किए जिसमें बड़ी संख्या में सैनिक शहीद हुए। नतीजतन कोई भी सैन्य दल स्कर्दू तक नहीं पहुंच सका। दरअसल जम्मू से श्रीनगर, जोजिला, कारगिल, द्रास से स्कर्दू तक का सैंकड़ों मीलों का पैदल सफर, भीषण ठंड, बेहद दुर्गम क्षेत्र हमारे सैनिकों के लिए चुनौती बन चुका था। पाक सेना सभी रास्तों पर किलेबंदी कर चुकी थी। जम्मू कश्मीर रियासत के सैंकड़ों मुस्लिम सैनिक पाक सेना का हिस्सा बनकर कश्मीर के स्कर्दू व लद्दाख के महाज पर लड़ रहे थे। स्कर्दू के बचाव के लिए जितनी सेना व हथियारों की जरूरत थी, उतनी तादाद में सैनिक व असलाह शेर जंग तक नहीं पहुंचा। 17 जून 1948 को पाक फौज ने शेर जंग को आत्मसमर्पण का पैगाम भेजा जिसे शेर जंग ने ठुकरा दिया था। 12 अगस्त 1948 को पाक फौज ने स्कर्दू किले पर जोरदार हमला किया। शेर जंग के सैनिकों ने पलटवार करके कई पाक सैनिकों को हलाक करके वो हमला नाकाम किया, मगर स्कर्दू किले में गोला बारूद व खाद्य आपूर्ति समाप्त हो चुकी थी। आखिर भारतीय सेना के श्रीनगर डिवीजन के कमांडर के अनुरोध पर कर्नल शेर जंग थापा ने स्कर्दू किले को छोडऩे का फैसला लिया। 14 अगस्त 1948 को शेर जंग थापा व सिपाही कल्याण सिंह ही जीवित बचे थे, बाकी निहत्थे सैनिकों को पाक फौज ने हलाक कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

नरेन्द्राचार्य जी महाराज के मुखारविंद से एक दिवसीय प्रवचन कार्यक्रम रायपुर में आज

रायपुर (विश्व परिवार)। जगद्गुरू श्री स्वामी नरेंद्रचार्य जी महाराज देश में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व मे साल भर भ्रमण कर अपने अमृत

वाणी से प्रवचन कर मुक्ति का मार्ग दिखाते हैं। भक्तों की समस्याओं का मार्गदर्शन करते हैं। इसी कड़ी में अनंत श्री विभूषित जगदगुरू रामानंदाचार्य श्री स्वामी नरेन्द्राचार्य जी महाराज का एक दिवसीय प्रवचन, दर्शन एवं समस्या मार्गदर्शन का कार्यक्रम आज बीटीआई मैदान शंकर नगर रायपुर में आयोजित है। कार्यक्रम सुबह 9ः00 बजे प्रारंभ होगा जिसमें जगद् ?गुरू श्री के मुखारविन्द से दिव्य प्रवचन किया जावेगा। तत्पश्चात् जगद्गुरू श्री द्वारा हजारों भक्तों की समस्याओं के समाधान हेतु मार्गदर्शन दिया जावेगा। इस दिव्य भव्य आयोजन में सहभागी बनकर पुण्य अर्जित करने का यह स्वर्ण अवसर है। जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिव्यांगों को सहायता और सहयोग के साथ प्रोत्साहन देना होगा, पूर्व अध्यक्ष सुभाष सोहाने के जन्मदिन पर 6 दिव्यांगों को जयपुर पैर वितरण

रायपुर (विश्व परिवार)। अपना पैर खो चुके व्यक्ति का मन ग्लानि से ग्रसित होता है, उसे पराश्रित हो जाना पड़ता है, ऐसी स्थिति में उन्हें सहायता साथ ही साथ प्रोत्साहन भी देना होता है कि वे प्रयास करने पर पुनः सामान्य जीवन जी सकते है, अपनी गतिशीलता को प्राप्त कर सकते है, आज हमे ईश्वरीय अनुभूति हो रही है कि कुछ अच्छा किया है उक्त उद्गार श्री विनय मित्र मण्डल के संस्थापक व पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कोचर व पूर्व अध्यक्ष खेमराज बैद ने निःशुल्क जयपुर पैर वितरण समारोह में व्यक्त किये। समारोह में पूर्व अध्यक्ष स्व. सुभाष सोहाने के जन्मदिन पर सोहाने परिवार की सौजन्यता से जयपुर पैर दिए गए। पुत्र संकल्प सोहाने, सी ए अमित शर्मा व कल्प कोचर ने यादराम कृष्णन 24 वर्ष, श्रीमती गायत्री साहू 53 वर्ष, अशोक वर्मा 55 वर्ष, राजकुमार 60 वर्ष, नरेन्द्र वर्मा 68 वर्ष, खिलेश्वर साहू 49 वर्ष श्रीमती फुलेसरी साहू 38 वर्ष को जयपुर पैर पहनाकर खुशी खुशी चलते हुए देखकर अभिभूत हो गए। समारोह में संकल्प सोहाने, अमित शर्मा, महेन्द्र कोचर, खेमराज बैद कल्प कोचर उपस्थित थे, जयपुर पैरों का निर्माण कुशल कारीगर अब्दुल वहीद कुरैशी ने किया।

राज्यपाल रमेन डेका ने भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

रायपुर (विश्व परिवार)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज राजभवन में आधुनिक असम के सांस्कृतिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले बहुमुखी प्रतिभा के धनी, भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. हजारिका जी का योगदान न केवल असम बल्कि संपूर्ण भारत की सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करता है। वे केवल एक गायक या संगीतकार नहीं थे, बल्कि, वे उन चंद लोगों में से थे ज़िन्होंने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ी। उन्होंने कई फिल्मों का निर्देशन भी किया। वे भारतीय संगीत अकादमी के निर्देशक भी रहे। श्री हजारिका पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी बाजपेयी के मित्र भी थे। श्री हजारिका असम विधानसभा के विधायक भी रहे। श्री डेका ने कहा कि श्री हजारिका की विरासत, उनके गीत और उनके कार्य हमेशा हमारा मार्गदर्शन करते रहेंगें। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम एवं राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों ने श्री हजारिका के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

जीवन की वास्तविकता का बोध ही जीवन को समाधान देता है : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। जिस व्यक्ति के अंदर दूसरों को क्षमा करने तथा दूसरों की गल्तिओं को नजर अंदाज करने का भाव रहता है वह व्यक्ती कभी दुःखी नहीं रहता उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने गोयल नगर जैन मंदिर में प्रातःकालीन धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने चार प्रकार के दुःखों का वर्णन करते हुये कहा कि प्रत्येक मनुष्य के जीवन में चार प्रकार के दुःख नजर आएंगे जिसमें पहला है कल्पना जन्य दुःख, दूसरा है अभाव जन्य, तीसरा वियोग जन्य तथा चौथा है परिस्थिति जन्य।

उन्होंने कहा कि आप लोगों में आदत होती है कि बर्षों पहले की घटनाओं तथा बुरी स्मृतियों को याद करके अपने आपको दुःखी करते हो या भविष्य की चिंता में अपने आपको दुःखी करते रहते हो अरे जो बीत गया उसे क्या याद करना, अतीत की उन बुरी स्मृति या दुर्घटना को विस्मृति में बदल कर उसे क्षमा करने की तथा किसी ने कुछ कहा उसे नजरअंदाज़ करने की आदत यदि आ जाऐगी तो आपके सारे दुःख दूर हो जाऐंगे, मुनि श्री ने कहा कि जिन बातों के अभाव में तुम अपने आपको दुःखी मानते हो, यदि गहराई से देखोगे तो उन्ही बातों से सामने बाला ज्यादा दुःखी नजर आता है उन्होंने कहा कि अभाव जन्य या वियोग जन्य परिस्थितियों का रोना- रोना बंद कीजिये इस संसार में कोई तन दुःखी है, तो कोई मन दुःखी, कोई धन दुःखी है तो कोई धन को जोड़ने में दुःखी नजर आ रहा है।उन्होंने बारह भावना की तीसरी भावना सुनाते हुये कहा दाम बिना निर्धन दुखी, तृष्णा-वश धनवान, कहूं न सुख संसार में, सब जग देख्यो छान।। जिस धन को पाने के लिये निर्धन दुःखी है उसी धन को और बड़ाने में धनवान दुःखी है, घर घर की यही कहानी है, जीवन में बहुत कम लोग ऐसे होते है, जिनको उनकी इच्छानुसार बस्तुऐं मिल जाती है? उन्होंने पूंछा क्या आपका जन्म आपकी इच्छानुसार हुआ? माता पिता आपकी इच्छानुसार मिले? फिर भी आप उन सभी को अपना मान लेते हो क्यों कि यही जीवन की बास्तविकता है, मुनि श्री ने सूत्र देते हुये कहा कि कोई मुझसे कुछ न कहे यह मेरे हाथ में नहीं, लेकिन कोई कितना भी कुछ कहे, में कुछ न कंहु यह मेरे हाथ में है, मेरे जीवन में कोई दुःख प्रसंग न घटे यह मेरे हाथ में नहीं, मेरे जीवन में कितनी बड़ी घटना या दुःख प्रसंग या दुर्घटना घट जाऐ में उससे विचलित न होऊ यह मेरे हाथ में है मन की स्थरिता का पाठ हमें धर्म पड़ाता है जो धर्म को धारण कर लेता है वह अतीत की स्मृतियों में नहीं उलझता तथा अतीत की घटित घटनाओं से नसीहत लेकर चिंता से मुक्त होकर भविष्य को अच्छा बना लेता है।

मुनि श्री ने कहा कि भूत और भविष्य को छोड़कर बर्तमान को देखो सचेष्ट होकर जिओ, मुनि श्री ने कहा कि अज्ञानता और नकारात्मकता आपको दुख प्रदान करता है वंही सकारात्मकता और तत्वदृष्टी आपको प्रत्येक दुःख से उबारने की शक्ति प्रदान करती है।उन्होंने श्रवणबेलगोला में घटित एक घटना का जिक्र करते हुये कहा कि अपने पुत्र को खो चुकी एक मां ने कहा कि मेरे और मेरे बेटे का बस इतना ही संयोग था मुझे इस बात का दुःख नहीं कि मेरा बेटा चला गया मुझे इस बात की खुशी है कि मेरा बेटा जाते जाते भगवान की सेवा करके गया है।

में आचार्य गुरुदेव विद्यासागरजी महाराज की शिष्या हूं और उन्होंने मुझे यही तत्वदृष्टी दी है। मुनि श्री ने कहा कि जिन बातों के अभाव में आप अपने आपको दुःखी महसूस करते हो यदि गहराई में जाकर देखोगे तो उसका सदभाव ही उसके दुःख का कारण है। उन्होंने कहा कि यदि आप धन को सुख का साधन मानते हो तो हमारे पास तो कुछ भी नहीं बोलो आप सुखी हो या हम सुखी है? उन्होंने कहा कि मन सदभाव ही हमें सुख तथा मन का अभाव ही हमें दुखी बनाता है। उपरोक्त जानकारी देते हुये प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने बताया मुनिसंघ ने तिलक नगर के दर्शन कर आहार चर्या उपरांत मोहताभवन रैसकोर्स रोड़ पर पहुंचे एवं सांयकालीन शंकासमाधान कार्यक्रम संपन्न हुआ।धर्म प्रभावना समिति के मीडिया प्रभारी राहुल जैन अध्यक्ष अशोक रानी डोसी, नवीन आनंद गोधा महामंत्री हर्ष जैन प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया 6 नवम्वर को मुनिसंघ का प्रवास मोहताभवन में ही रहेगा तथा 7 नवम्वर गुरुवार से 108 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान प्रारंभ होंने जा रहा है जिसकी घटयात्रा मुनिसंघ के सानिध्य में मोहताभवन से प्रातः 7 बजे प्रारंभ होगी एवं कार्यक्रम स्थल विजयनगर पहुंच मंडप शुद्धी के साथ उद्घाटन एवं ध्वजारोहण होगा कार्यक्रम से जुड़े सभी पदाधिकारिओं ने धर्म श्रद्धालुओं से निवेदन किया है कि सही समय पर पहुंच कर धर्मलाभ लें। -**अविनाश जैन**

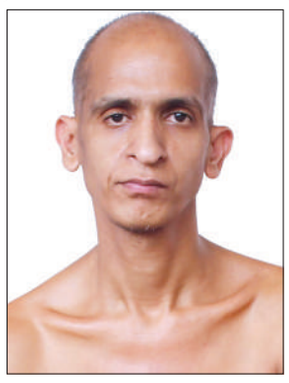

श्रमण मुनी श्री अनुत्तर सागर जी महाराज का आठ नवम्बर को शाहूनगर, जयसिंगपूर में दीक्षा दिवस

कोल्हापूर (विश्व परिवार)। आध्यात्म सरोवर के राजहंस, चर्या शिरोमणी आचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के 6 शिष्य श्रमण मुनी श्री अनुत्तर सागर जी महाराज, श्रमण मुनी श्री प्रणेय सागर जी, श्रमण मुनी श्री प्रणव सागर जी, श्रमण मुनी श्री सर्वार्थ सागर जी, श्रमण मुनी श्री संकल्प सागर जी और श्रमण मुनी श्री सदभाव सागर जी महाराज जी 3 नवम्बर को आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, शाहूनगर, जयसिंगपूर में पधारे हैं। श्रमण मुनी श्री अनुत्तर सागर जी महाराज का 8 नवम्बर को शाहूनगर, जयसिंगपूर में दिक्षा दिवस मनाया जायेगा। उपवास की साधना के लिए मुनिश्री अनुत्तर सागर जी महाराज का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया जा चुका है।

चर्याशिरोमणी आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के शिष्य मुनिश्री अनुत्तर सागर जी महाराज जी की चर्चा आज पूरे विश्व में हो रही है। उपवास की साधना के लिए जैन मुनि का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज किया जा चुका है। मुनी श्री अनुत्तर सागर महाराज जी को छोटी उम्र में ही वैराग्य हो गया था। उन्होंने 12 साल में अभी तक 1850 उपवास किये हैं। उनके उपवास में खाने की तो बात ही दूर, पूरे 24 घण्टे में एक बूंद पानी भी नहीं लिया जाता। मुनिश्री द्वारा वर्ष 2023 में 256 से अधिक उपवास किया गया है।

मुनि श्री अनुत्तर सागर जी का संक्षिप्त जीवन परिचय- जन्म नाम- जितेंद्र जैन, माता- श्रीमती लक्ष्मी देवी जैन, पिता- श्री जमुना प्रसाद जैन जन्म ग्राम- भोपाल (मध्य प्रदेश)। जन्म दिनांक- 6 अगस्त 1977 लौकिक शिक्षा- हायर सेकेंडरी, दीक्षा पश्चात नाम- मुनि श्री 108 अनुत्तर सागर जी महाराज, ब्रह्मचर्य व्रत दिनांक- 26 नवम्बर 2004. ब्रह्मचर्य व्रत गुरु- आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज ब्रह्मचर्य व्रत स्थल- भोपाल (मध्य प्रदेश), मुनि दीक्षा- दिनांक 8 नवंबर 2011, मुनि दीक्षा स्थान- मंगलगिरी जिला सागर (मध्य प्रदेश), मुनि दीक्षा गुरु- आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज।

मुनि श्री अनुत्तर सागर जी महाराज 1011 दिन की मौन तपस्या भी कर चुके हैं। तथा 9 राज्यों में 30,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी कर चुके हैं। आप प्रथमानुयोग के ज्ञाता है। आपने चारित्रशुद्धि व्रत के 1234 उपवास पूर्ण कर चुके हैं। आपने सहस्त्रनाम के 428 उपवास भी पूर्ण किये हैं। आपने आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज जी के साथ अभी तक 100 से अधिक पंचकल्याणकों में अपना सानिध्य प्रदान किया है। इस पंचम काल में चतुर्थ काल जैसी साधना में लीन दिगंबर जैन मुनी श्री अनुत्तर सागर जी हैं।

– **अभिषेक अशोक पाटील**

भक्तामर पाठ के साथ रिद्धि मंत्रोच्चार कर की महाआरती

भगवान महावीर की कल्याण कारी वाणी से सभी हुए हैं लाभान्वित : विजय धुर्रा

भगवान महावीर स्वामी ने सभी के कल्याण की बात कही : एसपी

अशोक नगर (विश्व परिवार)। भगवान महावीर स्वामी ने सभी के कल्याण की बात कही उनके उपदेशों से संसार का प्रत्येक जीव अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है यद्यपि ये पथ कठिन है किन्तु असंभव नहीं उन्होंने जिस तरह की संकल्प शक्ति को प्रदर्शित किया है उससे ये समझना चाहिए कि इस जगत में असंभव नाम की कोई चीज नहीं है इन सब के लिए भी आत्म बल ही काफी है जिसे हमें उजागर करना होगा उक्त आश्य केउद्गार जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन ने सुभाष गंज मन्दिर में भगवान महावीर कल्याण महोत्सव के समापन समारोह में भक्तांबर महाआरती कर व्यक्त किए।

भगवान की वाणी से जगत के जीव लाभान्वित होते हैं। इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी की कल्याण कारी वाणी से जगत का प्रत्येक जीव लाभान्वित हुआ जिसका पुण्य तीव्र था उसे समवशरण में बैठकर दिव्य ध्वनि सुनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और उनकी वाणी को गडधर परमेष्ठि द्वारा पारम्परिक रूप से आज भी हमें सुनने मिल रही शाम को जो हम आदि विद्या सुधा भक्तांबर मंडल से भगवान की भक्ति सुनते हैं ये भी प्रभु भक्ति का एक रूप है इस दौरान जैन समाज के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि रात्रि में युवाओं द्वारा श्री भक्तांवर जी के पाठ के साथ ही रिद्धि सिद्धि को देने वाला श्री भक्तांवर रिद्धि मंत्रोच्चार के साथ दीप प्रज्जवलित किये जायेगे

अड़तालीस दीपों से हुई महा आरती : शाम को गंज मन्दिर भक्तांबर मंडल द्वारा भगवान आदिनाथ स्वामी की भक्ति रूप श्री भक्तांवर रिद्धि सिद्धि मंत्रोच्चार के साथ अड़तालीस दीपों का प्रज्जवलन श्री भक्तांवर जी के एक एक कड़े के साथ भक्ति भाव पूर्वक किया गया जिसमें सभी भक्तों ने अपने थालों में दीपों का प्रज्जवलन कर भक्ति भाव से भगवान की महा आरती जिला पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार जैन जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री विजय धुर्रा संयोजक उमेश सिघई मनीष भइया अभिषेक भ इया सहित अन्य प्रमुख जनो ने भाग लिया इस दौरान अपने मधुर ध्वनि से संचित बजाज सत्यम धुर्रा राजा बजाज आषुतोष बाझल विवेक जैन वक्की विभू जैन नमित जैन देरखा विशाल जैन डॉ पंकज अमरोद शरद बजाज ने सभी को आनंदित किया इस दौरान सभी भक्तों ने भगवान की महा आरती की। -**विजय धुर्रा**

रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन 2024 : बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के घर पहुंचा मतदान दल

श्रीमती विटाना गुप्ता बोली- अब वोटिंग के लिए तकलीफें हुई दूर, घर पर की मतदान

5 नवंबर से 7 नवंबर 2024 तक रहेगी होम वोटिंग की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर दक्षिण विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के तहत आज से होम वोटिंग शुरू हो गई है। मतदान दल अब 85 से अधिम उम्र के बुजुर्गों एवं दिव्यांगों के घर पहुंचकर वोटिंग करा रहा है। होम वोटिंग 5 से 7 नवंबर तक सुविधा रहेगी।

मतदान रथ आज मालवीय रोड स्थित 98 वर्ष की श्रीमती विटाना गुप्ता के पहुंचा। उन्होंने अपने घर पर ही बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान किया। श्रीमती गुप्ता बताती हैं कि वे हमेशा से निर्वाचन के दौरान मतदान करती रही है। उम्र अधिक होने की वजह से अब मतदान केंद्र तक जाने-आने में काफी दिक्कतें होती है। ऐसे में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से शुरू की गई होम वोटिंग की सुविधा काफी लाभदायी है। वे बताती है कि यह बहुत अच्छी सुविधा है कि घर पर ही वोटिंग की सुविधा मिल रही है। इससे बुजुर्गों को भी तकलीफें नहीं होगी। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

दिव्यांग मतदाता टिकरापारा निवासी हेमंत बर्छिहा ने भी अपने घर पर मतदान किया। वे बताती है कि चलने-फिरने में बहुत तकलीफें होती है। ऐसे में मतदान घर पर होना बहुत ही अच्छी बात है कि दिव्यांगों को मतदान के लिए दिक्कतें नहीं होगी। भारत निर्वाचन आयोग का भी बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं कि घर पर ही मतदान करने का अवसर प्राप्त हुआ। वे बताती है कि पहले निर्वाचन के दिन में मतदान केंद्र तक आने-जाने में असमर्थता होती थी, लेकिन घर पर मतदान करके बहुत खुशी मिली।

नयापारा निवासी श्रीमती रूकमणी बाई तिवारी ने भी अपने घर पर मतदान किया। वे बताती है कि उम्र अधिक होने से मतदान केंद्र में आने-जाने में दिक्कते होती थी, लेकिन घर पर आज मतदान दल पहुंचा और तत्काल मतदान सफल रूप से हो गया। इससे मुझे भी बहुत खुशी हुई। बंजारी माता चौक निवासी 85 वर्ष से अधिक उम्र की मतदाता श्रीमती कमला साहू ने भी अपने घर पर ही मतदान किया।

सड़क दुर्घटना में कमी लाने वाहनों की चेकिंग अभियान

तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले वाहन चालकों शक्त कार्यवाही की जा रही

जशपुर (विश्व परिवार)। जिला जशपुर के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्र में नाकाबंदी कर शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों का ब्रीथ एनलाईजर के माध्यम से चेक कर एवं तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् कार्यवाही की जा रही है।

विगत दिनों यातायात शाखा जशपुर द्वारा विशेष अभियान चलाकर अत्यंत लापरवाहीपूर्वक तेज गति से चलने वाले बाईकर प्रदीप राम निवासी एम.एल.बी. स्कूल के सामने के विरूद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् चालानी कार्यवाही कर 3000 रुपए का शमन शुल्क वसूला गया।

जिला पुलिस जशपुर द्वारा अभी समझाईस दी जा रही है कि नाबालिगों को वाहन चलाने न देवें, वाहन चलाते समय हमेशा यातायात नियमों का पालन करें, दोपहिया वाहन चलाते समय तीन सवारी बैठ कर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं इत्यादि साथ ही नाबालिक वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही के बारे में बताते हुये अनावश्यक रूप से घूमने वाले नाबालिग वाहन चालकों के परिजनों को मौके पर बुलाकर न्यायालयीन प्रक्रिया के बारे में बताया गया। अब वृहद स्तर पर कार्यवाही की जावेगी। पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा अपील किया गया है कि- आपका जीवन परिवार एवं देश के लिये अमूल्य है, कृपया लापरवाहीपूर्वक एवं शराब पीकर वाहन चलाकर इसे व्यर्थ न जाने दें, यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं अन्य को भी सुरक्षित रखें।

दक्षिण में परिवर्तन होगा जनता मुझे आशीर्वाद दे रही है : आकाश शर्मा

रायपुर (आरएनएस)। दक्षिण विधानसभा उपचुनाव कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा ने आज मोरेश्वर राव गद्रे वार्ड एवं महामाया मंदिर वार्ड में जनसंपर्क किया। कांग्रेस वरिष्ठ नेता कुलदीप सिंह जुनेजा, विधायक ओंकार साहू पूर्व विधायक चंद्रदेव राय रायपुर जिला प्रभारी प्रतिमा चंद्राकर भी जनता से कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील किये। इस दौरान आकाश शर्मा ने कहा कि भाजपा ने निष्क्रिय प्रत्याशी सुनील सोनी को मैदान में उतारा है सुनील सोनी जहां भी जनसंपर्क में जा रहे हैं जनता उनसे महापौर और सांसद कार्यकाल का हिसाब पूछ रहे हैं। भाटा गांव में जनसंपर्क के दौरान सुनील सोनी का जमकर विरोध हुआ है वहां पर सुनील सोनी और उनके कार्यकर्ता, मतदाताओं के उपर भड़क रहे थे यही भाजपा नेताओं का चरित्र हैं।

द हितवाद के संपादक मुकेश एस. सिंह मधुकर खरे स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार से होंगे सम्मानित

राज्योत्सव समारोह के अंतिम दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के हाथों होंगे पुरस्कृत

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य अलंकरण पुरुस्कारों की घोषणा कर दी गईं हैं। इस वर्ष 2024 में पत्रकारिता के क्षेत्र में मुकेश एस सिंह कों मधुकर खरे स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उनको राज्योत्सव समारोह के अंतिम दिन कल उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा प्रदान किए जाएंगे। ज्ञात हो कि मुकेश एस सिंह ने पत्रकारिता के क्षेत्र में लम्बा सफर् तय किया हैं। वह द हितवाद अंग्रेजी अखबार के संपादक हैं. उनका नाम पत्रकारिता पुरस्कार के लिए चयनित किए जाने पर प्रदेश भर के पत्रकारों में भारी उत्साह है। इसके आलावा प्रिंट के भोला राम और इलेक्ट्रॉनिक से मोहन को भी पत्रकारिता पुरस्कार प्रदान किया जाएगा. बता दे कि मुकेश एस. सिंह का जन्म मुंबई में हुआ लेकिन जड़े महादेव की नगरी वाराणसी, उत्तर प्रदेश से जुड़ी है। उनके पिताजी एस. एस. सिंह भारतीय खाद्य निगम से सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं, और उनकी माताजी श्रीमती निर्मला सिंह एक साधारण गृहिणी हैं। उनका शैक्षणिक योग्यता बीसीए और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग में उच्च डिप्लोमा है।

पत्रकारिता का सफर- मुकेश का प्रेस जगत में अप्रैल 1998 में मध्य भारत के प्रतिष्ठित अंग्रेज़ी समाचार पत्र द हितवाद से एक सर्वेयर के रूप में हुआ। वरिष्ठ पत्रकारों रम्मू श्रीवास्तव और जॉर्ज कुरियन के निर्देशन पर स्टाफ रिपोर्टर के रूप में काम किया। बाद में शिक्षा बीट को कवर करने करने लगे।

छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय, संपादकीय कार्यभार रमेश नैय्यर ने संभाला, और उसी दौरान उन्होंने खेल पत्रकारिता में कदम रखा। राज्य के विभिन्न जिलों में खेल आयोजनों की विस्तृत कवरेज करते हुए, खेल पत्रकारिता में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनकी पुस्तक ए विंडो ऑन स्पोर्ट्स इन छत्तीसगढ़ का विमोचन प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने किया था। इसके माध्यम से राज्य में खेल पत्रकारिता को नई दिशा मिली।

वर्ष 2007 में उन्होंने पुनः द हितवाद जॉइन किया और नक्सल-प्रभावित क्षेत्रों में राजनीतिक रिपोर्टिंग में सक्रिय भूमिका निभाई। साल 2008 में मुख्य रिपोर्टर (ष्ठद्बद्वद्गद्ध ऋद्धश्चशह्लह्वद्गह्) के पद पर उन्हें पदोन्नत किया गया। इसके बाद, 2010 में समाचार संपादक के पद पर पदोन्नत किया गया, और उनका व्यंग्यात्मक कॉलम लेफ्ट-राइट-लेफ्ट को लोकप्रियता मिला। वे केंद्रीय कानून प्रवर्तन, वित्तीय कार्य बल, नागरिक उड्डयन, और वन्यजीव संरक्षण जैसे विषयों पर बेहतर पकड़ रखते है।

पत्रकारिता में इनके गुरु रहें- पत्रकारिता जगत में मार्गदर्शक और संपादकों का मार्गदर्शन मिला जिन्होंने प्रतिबद्धता और ईमानदारी को सुदृढ़ किया। इनमें समूह संपादक विजय फणशिकर, रम्मू श्रीवास्तव, जॉर्ज कुरियन, रमेश नैय्यर, स्वर्गीय पं. दीनदयाल पुरोहित, शरत रोटकर, राजेंद्र महांति, आर. कृष्णा दास और वर्तमान स्थानीय संपादक ई.वी. मुरली का विशेष योगदान रहा है। – **जितेन्द्र सिंह**

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर बुधवार 06 नवंबर 2024

सरगुजा कोरिया बोल बम सेवा समिति के अध्यक्ष को बिहार के द्वय उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंह एवं सम्राट चौधरी ने सम्मानित किया

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- सरगुजा कोरिया बोल बम सेवा समिति को बाबा बैजनाथ धाम में निरंतर 19 वर्षों से सेवा प्रदान करने पर बिहार सरकार के द्वय उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिंह एवं सम्राट चौधरी तथा राज्य मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने समिति के अध्यक्ष सुभाष शर्मा को प्रशस्ति पत्र एवं शिल्ड प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री बिहार सरकार ने बोल बम सेवा समिति सरगुजा -कोरिया का भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि समिति ने सेवा का उत्कृष्ट सीमा को भी आगे लांघ कर शिव भक्तों का हृदय से सेवा किया है इसके लिए हम सब समिति को सम्मान प्रदान कर खुद को सम्मानित महसूस कर रहे हैं। समिति की सेवा भाव को देखते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य कि कामना करते हैं ताकि अपने सेवा भाव को आगे बढ़ते हुए मानव सेवा करने में अमिट छाप छोड़े सके। उपमुख्यमंत्रियों ने कहा सरगुजा कोरिया सेवा समिति ने पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। हम सब समिति के प्रति आभार प्रकट करते हैं। उद्बोधन के पश्चात द्वय मुख्यमंत्री ने समिति के अध्यक्ष सुभाष जी को सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि उन्नीस वर्षों से सरगुजा कांवरिया बोल बम सेवा समिति ने बाबा बैजनाथ धाम में बोल बम की सेवा में लगी हुई रहती है।सेवा समिति के सेवा कार्य देख मंत्री मंत्र मुग्ध हैं और कहते है भगवान शिव आप सभी को मनोकामना पूर्ण करे। समिति के सेवा कार्य के संबंध में समिति के दिनेश गोयल ने बताया कि सरगुजा कोरिया कावरिया बोल बम समिति शिव भक्तों की सेवा में 19 वर्षों से लगा हुआ है सेवा के इस कड़ी में शिव भक्तों कांवरिया संघ द्वारा रसद पानी के साथ बाबा भोलेनाथ की नगरी पहुंच कर बोल बम की हर प्रकार से सेवा में लगा हुआ है। दिनेश कुमार गोयल ने बताया कि सरगुजा कांवरिया बोल बम सेवा समिति छत्तीसगढ़ संघ निरंतर वर्ष 2005 से (कोरोना कल को छोड़कर) कावड़ियो की सेवा में देवगढ़ से 2 किलोमीटर दूर ग्राम डुमरिया मे जिला बांका बिहार राज्य में सावन महीने में बोल बम सेवा समिति के लिए सुबह नाश्ता, दोपहर मे भोजन शाम में नाश्ता, रात्रि कालीन भोजन 24 घंटे चाय, शौचालय की सुविधा, 24 घंटे नहाने का पानी पीने हेतु ठंडा पानी, मोबाइल चार्जिंग, इक्को प्रेशर चिकित्सा, दर्द का मालिश, तेल मालिश, गर्म पानी की सुविधा 24 घंटे कमरिया सेवा संघ समिति देने में जुटा हुआ है। बोल बम की सुविधाओं हेतु आवश्यक कार्य समिति के समस्त सदस्यों द्वारा निरंतर सेवा का कार्य किया है। पिछले श्रवण मस मे शिव कार्य संपन्न कर समिति के सदस्य 18 अगस्त की रात्रि में अपने-अपने घरों में लौट आयें। समिति की सेवादारों में मुख्य रूप से समिति के संचालक सदस्य सुभाष शर्मा अर्जुन अग्रवाल, दीनानाथ पांडे , बाबूलाल अग्रवाल, राजेंद्र बंसल नथ्थुलाल मित्तल, पंकज अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, प्रमोद ठाकुर ,राजेश अग्रवाल, मदनलाल अग्रवाल जिम्मी गोयल उमेश अग्रवाल , जिम्मी अग्रवाल, रामावतार अग्रवाल, धर्मेंद्र अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल संदीप गुप्ता, उमा अग्रवाल अजय अग्रवाल, आनंद जैन, कमलेश तिवारी, आनंद मित्तल, बहादुर अग्रवाल, गिरजा शंकर गुप्ता सीधनाथ चौबे वी.के .पी. जयसवाल, प्रदीप अग्रवाल दिनेश कुमार गोयल उमेश अग्रवाल, कृष्ण कुमार गोयल (बल्लू) व उड़ीसा राज्य निवासी पवन अग्रवाल, विमल अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल तथा इक्को प्रेशर चिकित्सा डॉ पवन शर्मा, डॉ सुनीता शर्मा, नन्हे कुशवाहा रामस्वरूप गुप्ता, हीरालाल राजवाड़े सभी पारी पारी भंडारे में रहकर बोल बम कांवरियों की सेवा करते रहे है।

संक्षिप्त समाचार

एक लाख रूपये कीमत के गांजा सहित 1 गिरफ्तार, चौकी बसदेई पुलिस की कार्यवाही

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने जिले के थाना-चौकी प्रभारियों को नशे के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करते एवं क्षेत्र में सक्रिय मुखबीर का जाल फैलाने के निर्देश दिए थे जिसके बाद से ही जिले की पुलिस नशीली पदार्थ के गोरख धंधे सहित अवैध गतिविधियों पर सतत् निगाह बनाए हुए है। इसी तारतम्य में दिनांक 04.11.2024 को चौकी बसदेई पुलिस रेलवे स्टेशन सूरजपुर रोड़ उंचडीह में मुसाफिर चेक करने पहुंची जहां रेलवे स्टेशन सूरजपुर रोड में अम्बिकापुर से दुर्ग जाने वाले यात्री रेल के आने के समय पर जाकर स्टेशन में बैठे लोगों से यात्रा करने के बारे में जानकारी लेने के दौरान एक व्यक्ति ट्रेन जाने के बाद स्टेशन के सामने गाड़ी पार्किंग करने के स्थान के पास संदिग्ध अवस्था में एक बैग टांगे हुए खड़ा मिला। जिससे पूछताछ करने पर अपना नाम करमबीर कुमार पाटिल उर्फ छोटू पिता तुलसीदास पाटिल उम्र 24 वर्ष ग्राम कुसमुसी का रहने वाला हूँ और अम्बिकापुर से आ रहा हूँ, अपने दोस्त को बुलाया हूँ जिसका इंतजार कर रहा हूँ बताया। पूछताछ के उपरांत उसकी गतिविधि संदेहास्पद प्रतीत होने पर उसके बैग की तलाशी लिए जाने पर 5 किलो मादक पदार्थ गांजा पाया गया जिसकी कीमत 1 लाख रूपये है। मामले में गांजा जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही कर उसे गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में एएसआई संजय सिंह, प्रधान आरक्षक आनंद सिंह, आरक्षक अमित सिंह, अभय तिवारी, देवदत्त दुबे, नीलेश जायसवाल व प्रदीप सोनवानी सक्रिय रहे।

सैमसंग तीसरी तिमाही में 23 प्रतिशत की हिस्सेसदारी के साथ भारत के स्मार्टफोन बाजार में पहले स्थाकन पर रहा : काउंटरप्वोइंट रिसर्च

गुरुग्राम। सैमसंग 2024 की तीसरी तिमाही में भारत में वैल्यू के हिसाब से सबसे बड़ा स्मार्टफोन ब्रांड रहा। यह जानकारी काउंटरपॉइंट रिसर्च के द्वारा दी गई है। रिसर्च एजेंसी के अनुसार, इस तिमाही में सैमसंग के नेतृत्व में भारत के स्मार्टफोन बाजार ने सबसे ज्यादा वैल्यू प्राप्त की, और सैमसंग की बाजार हिस्सेदारी 23 प्रतिशत रही। सीनियर रिसर्च एनालिस्टद प्रचीर सिंह ने कहा, ''बाजार में अब कीमतों में बढ़ोतरी के साथ-साथ बिक्री में भी वृद्धि हो रही है। ईएमआई के आसान विकल्प और पुराने फोन बदलने की सुविधा इसका प्रमुख कारण हैं। सैमसंग फ्लिहाल 23 प्रतिशत की हिस्सेरदारी के साथ बाजार में पहले नंबर पर है। इसने अपनी प्रमुख गैलेक्सी एस सीरीज़ पर ध्यान देकर और अपने मूल्य-आधारित पोर्टफोलियो को बेहतर बनाकर अपनी स्थिति बनाए रखा है। अपनी बाजार उपस्थिति मजबूत करने के लिए, सैमसंग ने ए सीरीज में अपने मिड-रेंज और किफायती प्रीमियम मॉडलों में गैलेक्सीप एआई फीचर्स को शामिल किया है।''

सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट बैंगलोर और गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी ने मिलकर की एआई और मशीन लर्निंग पर केंद्रित अत्याधुनिक लिंग्विस्टिक लैब की स्थापना

बेंगलुरु। सैमसंग आरएण्डडीइंस्टीट्यूट इंडिया-बैंगलोर (SRI-B) ने गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी (GCU) के साथ मिलकर 'सैमसंग स्टूडेंट इकोसिस्टम फॉर इंजीनियर्ड डेटा (SEED) लैब' की स्थापना की है। इस पहल से छात्रों और शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), मशीन लर्निंग (ML) और डेटा इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हाथों-हाथ सीखने का रोमांचक मौका मिलेगा। इस लैब में जीसीयूके छात्र और शिक्षक, सैमसंग के वरिष्ठ इंजीनियरों के मार्गदर्शन में उभरती तकनीकों पर काम करेंगे। इसमें प्राकृतिक भाषा की समझ, स्पीच और टेक्स्ट रिकॉग्निशन जैसी एडवांस्ड तकनीकों पर ध्यान दिया जाएगा, जिससे छात्रों को इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स पर प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा। सैमसंग ने कर्नाटक और तमिलनाडु में पहले ही चार सीडलैब्स स्थापित की हैं - वेल्लोर और चेन्नई में स्थित वीआईटीकैंपसों में। इन लैब्स में 400 से ज्यादा छात्र एआई और डेटा-संबंधी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को समझने और हल करने का बेहतरीन अवसर मिल रहा है। एसआरआई-बी के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर मोहन राव गोली ने कहा, हम ऐसे समय में हैं जब टेक्नोरलॉजी बहुत तेजी से बदल रही है।

कलेक्टर जयवर्धन ने समय सीमा की बैठक लेकर योजनाओं के क्रियान्वयन का लिया जायजा

सूरजपुर(विश्व परिवार)। आज समय सीमा की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल, सर्व एसडीएम सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर श्री जयवर्धन ने जिले धान उपार्जन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बारदाने की उपलब्धता, भंडारण एवं धान खरीदी समितियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने पी डब्लू डी अंतर्गत जिले में किए जा रहे सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की जानकारी ली गई । उन्होंने सभी निर्माण एवं मरम्मत कार्य को जल्द से जल्द गुणवत्ता पूर्ण रूप में करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जलजीवन मिशन की अंतर्गत जिले में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने सभी सीएमओ, एल डी एम सूरजपुर एवं संबंधित अधिकारियों को पीएम स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा योजना को बेहतर रूप में लागू करने के निर्देश दिए ताकि हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके। इसके अलावा उन्होंने सड़कों को मवेशियों से मुक्त करने के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने जनकल्याण के लिए विभिन्न विभागों के अंतर्गत क्रियान्वित किए जा रहे योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने छठ पर्व एवं राज्योत्सव के लिए किए जा रहे आवश्यक तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए।

उत्पादन कंपनी की सभी ईकाईयां क्षमता के साथ उगल रही बिजली

कोरबा(विश्व परिवार)। प्रदेश में बिजली की मांग को बनाए रखने के लिए छत्तीसगढ़ बिजली उत्पादन कंपनी की प्रदेश में स्थित सभी इकाईयां चल रही हैं। इन इकाईयों से लगभग 1800 से 2000 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है जबकि घरेलू मांग की पूर्ति को बनाए रखने के लिए शेष बिजली सेंट्रल पोल से ली जा रही है। ठंड बढने के कारण बिजली की डिमांड भी घट गई है। बिजली वितरण कंपनी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि बिजली की मांग में कमी और वृद्धि मौसम पर काफी निर्भर करती है। नवंबर के महीने में जब प्रदेश के तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है तब बिजली की मांग में कमी देखी जा रही है। इसके पीछे बड़ा कारण एसी, कूलर का इस्तेमाल कम होना है। तापमान गिरने से सामान्यत: लोग एसी का इस्तेमाल कम कर रहे हैं। कूलर चलाने की अवधि में भी कमी आई है। इस दिवाली में बिजली की खपत 1200 मेगावाट कम हो गई। दिवाली के दिन औद्योगिक कल-कारखानों के बंद होने और सरकारी दफ्तरों में अवकाश होने के कारण बिजली कम जली। वेस्टर्न ग्रिड लोड डिस्पैच सेंटर के मुताबिक दिवाली के दिन प्रदेश में बिजली की अधिकतम खपत 3859 मेगावाट दर्ज की गई, जो सामान्य दिनों की तुलना में 1000 से 1200 मेगावाट कम है। दिवाली से पहले प्रदेश में बिजली की खपत 4800 से 5000 मेगावट के बीच हो रही थी। रूप चैदस के दिन भी प्रदेश में बिजली की खपत लगभग 4800 मेगावाट हुई थी। इसके अगले दिन दिवाली थी। इस दिन कल-कारखाने बंद थे। इससे बिजली की खपत कम हो गई थी। हालांकि लोगों ने दीपोत्सव के दिन अपने घरों को सजाने के लिए लाइटों का बखूबी इस्तेमाल किया लेकिन इसमें बिजली की खपत बेहद कम होती है। शनिवार को इस मांग में थोड़ी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई और शनिवार की शाम 7 बजे खपत 4000 मेगावाट को पार कर गई।

निलंबित आईएएस रानू साहू की जमानत याचिका खारीज

बिलासपुर(विश्व परिवार)। कोल लेवी घोटाला मामले में जेल में बंद निलंबित आईएएस रानू साहू की जमानत अर्जी को हाईकोर्ट ने फिर से खारिज कर दी है। अब उन्हें जेल में ही रहना होगा। इससे पहले भी रानू साहू की जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। बता दें कि ईडी ने 22 जुलाई 2023 को रानू साहू को गिरफ्तार किया था। कोल घोटाला मामले को लेकर साल 2022 में आयकर विभाग ने सबसे पहले रानू साहू के शासकीय निवास, घर और दफ्तर में छापा मारा था. ईडी ने इस मामले में रानू साहू से लंबे समय तक पूछताछ की थी। ईडी ने कथित कोल घोटाले को लेकर रानू साहू पर यह आरोप लगाया कि निलंबित आईएएस रानू साहू के द्वारा कोरबा कलेक्टर रहते हुए कोल लेवी मामले में संलिप्तता पाई गई थी। उनकी गिरफ्तारी के बाद लोअर कोर्ट ने जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई थी। जिसपर सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद जस्टिस एनके व्यास के सिंगल बेंच ने रानू साहू की जमानत याचिका को खारीज कर दिया।

रेड़ नदी छठ घाट का कलेक्टर व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने लिया जायजा

घाटों पर पुलिस अधिकारी व जवानों की रहेगी कड़ी चौकसी

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-लोक आस्था का पर्व छठ पूजा को लेकर कलेक्टर सूरजपुर श्री एस. जयवर्धन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने सोमवार, 04 नवम्बर को सूरजपुर स्थित रेड़ नदी छठ घाट का जायजा लिया जहां घाट की सफाई सहित समुचित व्यवस्था को दुरूस्त करने की कवायत तेजी से जारी है जिसे देखकर दोनों अधिकारी संतुष्ट दिखे। उन्होंने छठ घाट पर लाइटिग के साथ गोताखोर और मेडिकल टीम की तैनाती समेत कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री ठाकुर ने बताया कि जिले में जिन-जिन स्थानों पर छठ पर्व मनाया जाता है वहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के प्रबंध किए है। छठ पूजा के दौरान पूरे जिले भर में विभिन्न घाटों पर भारी संख्या में अधिक पुलिस अधिकारी, पुलिस के जवान को तैनात किए जायेंगे। छठ घाट के अलावा शहर की भीड़ नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाए रखने के लिए पुलिस की 2 पेट्रोलिंग टीमें लगातार मुस्तैद रहेगी।

जिले के कलेक्टर व एसएसपी ने सोमवार के शाम को सूरजपुर स्थित रेड़ नदी छठ घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने रेड़ नदी मुख्य छठ घाट पर उमड़ने वाली भीड़, सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति द्वारा व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए की जा रही तैयारी की भी जानकारी ली और कई जरूरी निर्देश भी दिए। यातायात प्रभारी को वाहनों की पार्किंग के उचित इंतेजाम करने के निर्देश दिए। समिति की ओर से यहां व्रतियों एवं श्रद्धालुओं के सुविधा के लिए की जा रही तैयारी पर संतोष जताया।

इस दौरान एसडीएम जगन्नाथ वर्मा, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, थाना प्रभारी सूरजपुर विमलेश दुबे, निरीक्षक प्रकाश राठौर, नगर पालिका के अधिकारी, छठ पूजा समिति के संतोष सोनी, गणेश सोनी, राजेन्द्र गुप्ता, अनिल गुप्ता, श्रवण जैन सहित अन्य गणमान्य नागरिकगण मौजूद रहे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 113 लोगों ने किया रक्तदान

कोरबा(विश्व परिवार)। बांकी मोंगरा के रेस्ट हाउस चैक के सामुदायिक भवन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन धर्म सेना और कोयला मजदूर पंचायत (एचएमएस) के तत्वाधान में किया गया। जिसमें यातायात विभाग द्वारा यातायात संबंधी जानकारी दी गई। साइबर सुरक्षा के संबंध में पुलिस मुख्यालय से आए विशेसर के द्वारा जानकारी प्रदान की गई। वहां पर निशुल्क लर्निंग लाइसेंस के लिए भी शिविर लगाया गया था जिसमे काफी लोगों ने लर्निंग लाइसेंस के लिए दस्तावेज जमा किए। इसके साथ ही वर्तमान में सब इंस्पेक्टर और पलाटून कमांडर के पद पर चयनित जिले में बांकी मोंगरा का नाम रौशन करने वाले 8 युवाओं दीपक मौर्य, प्रमोद महंत, दीपक खैरवार, दीपेश सिंह तंवर, देव सिंह सिदार, धीरज कुमार, हेमंत साहू, परमेश्वर कंवर

का सम्मान बांकी मोंगरा थाना प्रभारी तेज कुमार यादव, बांकी मोगरा नगर पालिका परिषद की उपाध्यक्ष श्रीमती कमला बरेठ, धर्मसेना के बांकी प्रभारी सूरज साहू, कोयला मजदूर पंचायत (एच एम एस) के केंद्रीय उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह तंवर, भाजपा के आदिवासी मोर्चा के कोषाध्यक्ष भुजबल सिंह बिंझवार, धर्मसेना के प्रमुख विष्णु पटेल, कार्यक्रम के संचालक अर्जुन वस्त्राकार ने शील्ड देकर किया। 113 लोगों रक्तदान देकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।कार्यक्रम सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक चला जिसमे सभी रक्त दाताओं को सुरक्षा हेतु हेलमेट एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में संजू कुमारी ने प्रथम रक्तदान दिया और इसके साथ ही पलाटून कमांडर चयनित दीपेश सिंह तंवर ने रक्तदान कर मनोबल बढ़ाया। थाना प्रभारी तेज कुमार यादव पूरे समय रहे, बांकी नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती कमला बरेठ का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कलेक्टर ने कार्यालयों का किया आकस्मिक निरीक्षण

कोरिया(विश्व परिवार)। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने आज सुबह साढ़े दस बजे कलेक्टोरेट परिसर स्थित कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया। कलेक्टर त्रिपाठी ने इस दौरान छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, नगर निवेश, जिला साक्षरता मिशन अभिकरण, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला अन्त्यावसायी सहकारी विकास समिति, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, खाद्य विभाग, श्रम विभाग, जिला आबकारी कार्यालय, स्थानीय निर्वाचन, जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, भू-अभिलेख शाखा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय एवं स्थापना शाखा सहित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। करीब 15 विभागों के 55 अधिकारी- कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित कर्मियों का कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के प्रावधानों के प्रतिकूल होकर शासनादेश एवं कार्य के प्रति लापरवाही का द्योतक है। इन सभी कर्मियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और तीन दिवस के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने जिले के सभी कर्मियों को निर्धारित कार्यालयीन समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी कर्मचारियों का यह दायित्व है, कि वे निर्धारित समय में अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रह कर शासकीय कार्य का संपादन करे तथा राज्य शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे ताकि आम जनता को उसका समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

गोपाल सिंह विद्रोही, ब्यूरो सूरजपुर | राखी सिंह रिंकी

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

गोपाल सिंह विद्रोही, ब्यूरो सूरजपुर | राखी सिंह रिंकी

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

आत्मीय स्वजन,

46 वर्षों की गौरवशाली व्यवसायिक यात्रा में परमपिता परमेश्वर के आशीर्वाद, आपके स्नेह एवं आत्मीयता ने हमें निरंतर आगे बढ़ने का संबल प्रदान किया है विश्वास और संबंधों की इस परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए हम कृत संकल्पित हैं।

हमारे प्रतिष्ठान

जलतरंग स्वीट्स

मेन रोड बिश्रामपुर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

का नयी साज सज्जा के साथ

भव्य शुभारंभ

में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं...
पधारियेगा जरूर...

मिठाईयां
बेकरी
ड्रायफ्रुट
नमकीन

विनीत :
इन्दरजीत सिंह मखीजा
गुरविन्दर सिंह मखीजा
प्रितपाल सिंह मखीजा

सह-संस्थान
साहिब ट्रेडर्स
Mob. 8871310000, 7000304812

संस्थापक - इंद्रजीत सिंह मखीजा

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

JAI BALAJI MOTORS AND LUBRICANTS

All Company Genuine Spear Partes Available

ARVIND MITTAL
MOB : 9826025476
EMAIL ID . -
jaibalajimotorsbspr@gmail.com

TATA Genuine Parts | Mahindra | Ashok Leyland | BHARATBENZ

JAI BALAJI TYRES AND BATTERY
JAI BABAJI PUC CENTER

JK TYRE | apollo TYRES | MRF

GOURAV KUMAR MITAL
MOB : 9826125476
EMAIL ID . -
jaibalajityrebspr@gmail.com

ALL COMPANY TYRE AND BATTERY @ AVAIABLE

गौरव मित्तल

NEAR AMBEDKAR CHOWK MAIN ROAD,
BISHRAMPUR, DIST - SARGUJA (C.G.) 497226

अरविंद मित्तल

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

होंडा शोरूम

प्रत्येक कंपनियों की सेकंड हैंड
टू व्हीलर गाड़ियां हर रेंज में उपलब्ध

राजेन्द्र ठाकुर गुड्डू

राजकुमार ठाकुर पिंटू

अतुल ठाकुर

ओम ठाकुर

अंश ठाकुर

अक्षत ठाकुर

धनश्री होटल के सामने, मेन रोड विश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)
मो. नं. 9826618390, 9926846650

छठ पर्व, एकादशी एवं प्रकाश पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं...

आशा ज्वेलर्स

मुकेश सोनी

हीरा, सोना, चांदी, आभूषणों रूद्राक्ष एवं सभी रत्नों का एक मात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान

मेन रोड विश्रामपुर, जिला सूरजपुर (छ.ग.)